दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 स्पा सेंटरों में जिस्मफरोशी | 5 यूपी में अंतिम मतदाता सूची जारी | 8 पिता के सपने को पूरा कर खुश हैं मुकुल चौधरी

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 42 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 13 अप्रैल, 2026

मिठाई की दुकान पर बिक रही थी शराब

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखनाथ थाने के उप निरीक्षक अनूप कुमार तिवारी ने बताया कि धर्मशाला बाजार में कृष्णा स्वीट की पुरानी दुकान पर देर रात सूचना मिली कि शराब और बीयर की अवैध बिक्री हो रही है। इसके बाद पुलिस टीम ने लगभग 12रू30 बजे दुकान पर पहुंचकर फ्रीजर की जांच की। जांच में फ्रीजर से 20 केन बीयर और दो बोतल शराब बरामद हुई। गोरखनाथ इलाके में स्थित एक मिठाई की दुकान में अवैध रूप से शराब और बीयर बेची जा रही थी। इस सूचना पर बुधवार रात पुलिस ने दुकान पर छापा मारा और फ्रीजर में रखी 20 केन बीयर और 2 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त की।

इस दौरान दुकानदार ऋषभ गुप्ता को हिरासत में लिया गया और आबकारी एक्ट के तहत बृहस्पतिवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। गोरखनाथ थाने के उप निरीक्षक अनूप कुमार तिवारी ने बताया कि धर्मशाला बाजार में कृष्णा स्वीट की पुरानी दुकान पर देर रात सूचना मिली कि शराब और बीयर की अवैध बिक्री हो रही है। इसके बाद पुलिस टीम ने लगभग 12:30 बजे दुकान पर पहुंचकर फ्रीजर की जांच की। जांच में फ्रीजर से 20 केन बीयर और दो बोतल शराब बरामद हुई। दुकानदार से कागजात मांगे गए लेकिन वह उन्हें प्रस्तुत नहीं कर सका।

मुस्कुराए

हाथ जोड़े और की बातचीत

संसद भवन परिसर में पीएम मोदी और राहुल गांधी की मुलाकात

संसद परिसर में पीएम मोदी और राहुल गांधी की मुलाकात

प्रेरणा स्थल पर महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच काफी देर तक बातचीत भी हुई है। करीब 1 मिनट 30 सेकेंड के वीडियो में दोनों नेता आपस में बातचीत करते नजर आए।

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में एक दूसरे से मुलाकात की है। ये मौका था महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का, इस दौरान दोनों नेताओं ने एक–दूसरे का अभिवादन किया और मुस्कुराते हुए काफी देर तक चर्चा करते नजर आए। अब इसका वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। संसद भवन परिसर में एक अलग और बेहद खास तस्वीर सामने आई है।

मथुरा नाव हादसा

20 मोटरबोट लेकर फिर यमुना में उतरे गोताखोर, सात श्रद्धालु अब भी लापता; 10 शव पंजाब भेजे

संवाददाता, मथुरा। यमुना में पैंटून पुल के पीपे से टकराकर पलटी मोटरबोट में सवार सात श्रद्धालुओं का अभी तक पता नहीं चल पाया है। रात एक बजे तक बचाव कार्य करने के बाद सुबह साढ़े पांच बजे से फिर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के गोताखोर 20 मोटरबोट के साथ यमुना में उतर गए। करीब दस किलो मीटर के दायरे में लापता लोगों की खोज की जा रही है, लेकिन अब तक कोई पता नहीं चल सका है। प्रशासन की सूची में अभी चार से पांच लोग लापता हैं, लेकिन ऐसे लापता श्रद्धालु भी पहुंचे हैं, जिनके परिवार के सदस्य नाव में सवार थे और गायब हैं। ऐसे में अब लापता श्रद्धालुओं की संख्या सात मानी जा रही है।

माणिक टंडन के स्वजन, जिन्होंने की शव की पहचान।

एक और शव हुआ बरामद

अभियान के दौरान यमुना में डूबे पंजाब के

श्रद्धालुओं में एक और माणिक टंडन का शव शनिवार सुबह मिल गया है। अब तक 11 शव बरामद किए गए हैं।

नाव हादसे के बाद अभियान चलाते गोताखोर।

पंजाब के लुधियाना के श्रद्धालुओं का जत्था वृंदावन के केशीघाट से यमुना के पार देवराहा बाबा की समाधि स्थल पर दर्शन के लिए जा रहा था। यमुना पर खोले गए पैंटून पुल को जोड़ने के दौरान तेज बहाव में पुल का पीपा मोटरबोट से टकरा गया और बोट पलट गई। उसमें सवार 37 से अधिक श्रद्धालु यमुना में डूब गए। आसपास मौजूद गोताखोरों में 22 लोगों को बचा लिया।

छह से सात श्रद्धालु लापता, मिलने की उम्मीद में यमुना के किनारे बैठे हैं स्वजन

दस श्रद्धालुओं के शव बाहर निकाले, गायब सात श्रद्धालुओं का अब तक पता नहीं चल पाया है। एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत और एडीएम वित्त डॉक्टर पंकज वर्मा की अगुवाई में टीमें यमुना नदी में लापता श्रद्धालुओं की तलाश कर रही हैं।

एंबुलेंस से पंजाब भेजे 10 मृतकों के शव

उधर, जिन दस श्रद्धालुओं की हादसे में मृत्यु हुई है, उनके शव देर रात पोस्टमार्टम के बाद पंजाब के लिए रवाना कर दिए गए। लुधियाना निवासी श्रद्धालुओं के शव सुबह दस बजे उनके घर पहुंच गए, जबकि जगराओं निवासी श्रद्धालुओं के शव दोपहर में पहुचेंगे। पूरे मामले की जांच डीएम सीपी सिंह ने एडीएम वित्त डॉ. पंकज वर्मा को सौंपी है।

'पर्ची वाले मुख्यमंत्री किसी का भला नहीं कर सकते'

जयपुर पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के बयान श्मैं अपने आप के लिए नहीं लड़ सकी, तुम्हारे लिए क्या लड़ूंगीश को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि यहां की सीएम वसुंधरा होती तो ज्यादा विकास होता. इस दौरान अखिलेश यादव ने न सिर्फ राजस्थान की वर्तमान सरकार पर कटाक्ष किया, बल्कि राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की तारीफ करते हुए वर्तमान मुख्यमंत्री पर तंज कसा.

इस्तीफों के 'रिकार्ड मैन'

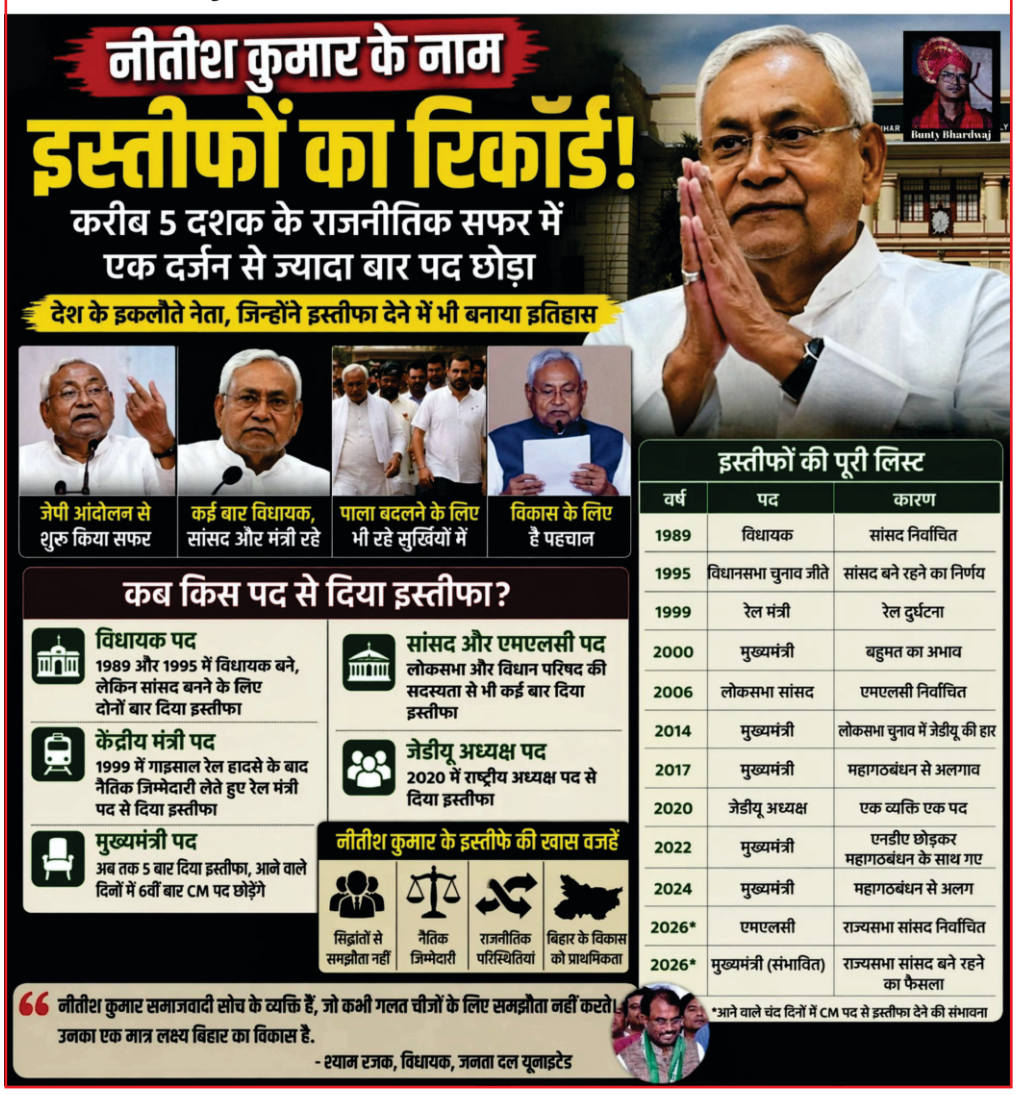

अपने ही हाथों से तोड़ रहे सपने

खून-पसीने से सींची दुकानें, खुद चला रहे हथौड़ा, मेरठ के व्यापारी मजबूर

मेरठ,संवाददाता। सेंट्रल मार्केट में व्यापारियों का 40 साल पहले तखत और फोल्डिंग पलंग से सफर शुरू हुआ था। संघर्ष से बाजार को बसाया था। अब व्यापारी खुद के ही निर्माण उजाड़ने को मजबूर हो गए हैं। व्यापारियों का कहना है कि दुकानें खून–पसीने से सींची थीं, आज खुद हथौड़ा चलाना पड़ रहा है। इंसान अपनी पूरी उम्र एक–एक ईंट जोड़कर अपने सपनों का आशियाना और कारोबार खड़ा करता है लेकिन हमने जिन दुकानों को अपने खून–पसीने से सींचा था आज हाथों में हथौड़ा थामकर उन्हें जमींदोज करना पड़ रहा है। अपने ही सपनों को अपने ही हाथों से तोड़ना विभीषिका से कम नहीं है। यह कहना है मेरठ के सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों का। इन दिनों बाजार की गलियों में हथौड़ों की चोट की आवाज गूंज रही है इस चोट से ईंट–पत्थरों की इमारतों के साथ व्यापारियों के दिल और उम्मीदें भी टूट रही हैं।

आवास एवं विकास परिषद की ओर से शास्त्रीनगर स्कीम नंबर सात की 859 संपत्तियों की सूची सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई थी। स्कीम के तहत ये संपत्तियां आवासीय हैं लेकिन इनका व्यावसायिक इस्तेमाल हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आवास विकास ने 44 भवनों को सील कर दिया था। वहीं बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी 859 संपत्तियों पर बने अवैध सेटबैक यानी इमारत के चारों ओर छोड़ी जाने वाली अनिवार्य खाली जगह में हुए निर्माण को दो महीने के भीतर तोड़ने का आदेश दिया है।

ऐसे में अब व्यापारियों ने भारी मन से खुद ही ध्वस्तीकरण शुरू कर दिया है। अलंकार साड़ी के संचालक राजीव गुप्ता ने बताया इस बाजार की नींव मेहनत और संघर्ष पर टिकी है। यहां बड़ी संख्या में पंजाबी समाज के दुकानदार हैं, जिनमें कई ऐसे परिवार भी हैं जो विभाजन के बाद पाकिस्तान से आकर यहां बसे थे। करीब 35–40 साल पहले जब शास्त्रीनगर एक तरह से जंगल था और शाम होते ही लोग इधर आने से कतराते थे तब इन व्यापारियों ने तखत और फोल्डिंग पलंग पर फड़ लगाकर काम शुरू किया था। पाई–पाई जोड़कर उन्होंने अल्प आय वर्ग (एलआईजी) के भवन लिए और जीवनयापन के लिए उनमें छोटी–छोटी दुकानें खोलीं। व्यापारियों का कहना है कि उनकी मेहनत और मशक्कत ने ही इस सुनसान इलाके को बाजार की पहचान दिलाई जिससे शास्त्रीनगर आज शहर के पॉश इलाकों में गिना जाता है। अपने उस संघर्ष को याद कर दुकानदारों की आंखों से आंसू बह निकलते हैं।

सम्पादकीय

दो हफ्ते का युद्धविराम

कयामत की रात, बिना कयामत के ही, गुजर गई और एक सभ्यता भी खत्म होने से बच गई। ईरान की 5–6 हजार साल पुरानी सभ्यता को खत्म भी नहीं किया जा सकता था, बेशक अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप कुछ भी बयान दें। सिकंदर और मंगोल शासक भी ईरान की सभ्यता को खत्म नहीं कर पाए। बहरहाल सभ्यता खत्म करने की 'डेडलाइन' से पहले ही, 8 अप्रैल की भोर में, युद्धविराम की घोषणा कर दी गई। युद्धविराम फिलहाल दो सप्ताह तक रहेगा। यह घोषणा करने से पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने फोन पर इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से बातचीत की। अंततरू नेतन्याहू को ट्रंप का फैसला स्वीकार करना पड़ा। ईरान युद्ध के 40वें दिन युद्धविराम हो सका है। अब अमरीका–ईरान के प्रतिनिधि 10 अप्रैल से इस्लामाबाद में बातचीत करेंगे और बृहद् शांति–समझौते की जमीन तैयार करेंगे। अब वैश्विक सवाल और जिज्ञासा है कि क्या युद्ध का यह दौर स्थायी रूप से खत्म होगा? क्या अमरीका अपनी सेना को वापस बुला लेगा? क्या इजरायल ईरान का अस्तित्व मिटाने के अपने पुराने लक्ष्य और मंसूबे को हासिल करने के लिए युद्ध की फिर शुरुआत करेगा? बेशक राष्ट्रपति ट्रंप इस अस्थायी युद्धविराम को ही 'मुकम्मल जीत' मान रहे हैं, विश्व शांति का सबसे बड़ा दिन कह रहे हैं और इसे मध्य–पूर्व के 'स्वर्ण–युग' का दिन भी करार दे रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि 39 दिन के युद्ध में वह पूरी तरह नाकाम रहे हैं।

ईरान में कट्टरपंथी हुकूमत बदलने, परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने, बैलिस्टिक मिसाइल के उत्पादन पर अंकुश लगाने, होर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने, ईरानी सेना को नेस्तनाबूद करने, ईरान में बगावत और सत्ता–परिवर्तन कराने, तेल पर कब्जा करने के जो अमरीकी, घोषित मंसूबे थे, राष्ट्रपति ट्रंप उनमें नाकाम रहे हैं। सभ्यता–विध्वंस की डेडलाइन से पहले ही उन्हें ईरान का 10–सूत्रीय प्रस्ताव स्वीकार करना पड़ा, क्योंकि प्रस्ताव व्यावहारिक लगा। अब दो हफ्तों तक हमले नहीं किए जाएंगे। दोनों देश दीर्घकालीन शांति–समझौते पर बातचीत करेंगे। दरअसल इस युद्ध में, युद्धविराम तक, न तो अमरीका जीता और न ही ईरान पराजित हुआ है। सिर्फ बर्बादी, विध्वंस और मिट्टी–मलबे की जीत हुई है। युद्ध के 39 दिनों में ईरान वाकई 'कब्रिस्तान' बना दिया गया, लेकिन उसका योद्धा वाला चरित्र, मनोबल और अस्तित्व आज भी जिंदा है। ईरान परमाणु कार्यक्रम जारी रखेगा, यूरेनियम का संवर्द्धन भी करता रहेगा, लेकिन बम नहीं बनाएगा, यह आश्वासन संवाद के दौरान ईरान दे सकता है। चीन ने 'वास्तविक मध्यस्थ' की भूमिका निभाई और ईरान के सख्त, अडियल रवैये को नरम कराया और युद्धविराम के लिए तैयार किया। ईरान युद्ध को स्थायी रूप से खत्म करने की अमरीकी गारंटी चाहता था। इस्लामाबाद इसलिए चुना गया, क्योंकि वह ईरान को भी पास पड़ता है और पाकिस्तान अमरीका का ही 'उपनिवेश–सा' है।

पाकिस्तान, तुर्किए, मिस्र की भूमिका 'डाकिए' या 'संदेशवाहक' की रही। अमरीकी उपराष्ट्रपति वेंस संवाद के लिए इस्लामाबाद जाएंगे, तो कोई चाय–पानी पिलाने वाला भी चाहिए। बहरहाल अमरीका युद्धविराम के लिए अचानक तैयार हो गया, इसकी अंदरूनी स्टोरी एफबीआई की रपट भी हो सकती है। एफबीआई ने रपट दी थी कि अब विश्व में अमरीकियों के लिए हालात खतरनाक हो सकते हैं। उनकी हत्याएं भी की जा सकती हैं, लिहाजा युद्ध को आगे न बढ़ाया जाए। जमीनी युद्ध की तो शुरुआत तक न की जाए। संभवतरू इस रपट ने राष्ट्रपति ट्रंप को 'सद्बुद्धि' दी और वह युद्धविराम के लिए सहमत हो गए। बहरहाल यह युद्धविराम ही अंतिम, निर्णायक स्थिति नहीं है, क्योंकि कई मुद्दे अनसुलझे लगते हैं। मसलन–होर्मुज पर ईरान ने अपने और ओमान के कब्जे की बात कही है और वे जहाजों से 20 लाख डॉलर प्रति जहाज का 'टोल' भी वसूलेंगे। अमरीका अब भी होर्मुज पर अपनी उपस्थिति की पैरवी कर रहा है, जो ईरान को स्वीकार्य नहीं है। बहरहाल युद्धविराम पर विश्व की प्राथमिक प्रतिक्रियाएं सुखद हैं। कच्चे तेल की कीमत 9 फीसदी लुढक़ कर 92 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है। एशिया और यूरोप के बाजार तेजी के साथ खुले हैं।

ईरान सैन्य दबाव के बावजूद मजबूत स्थिति में उभरा

अमेरिका और ईरान के बीच घोषित हुआ नाजुक युद्धविराम किसी संघर्ष का अंत नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया की राजनीति के एक और जटिल एवं अनिश्चित चरण की शुरुआत है। जो घटनाक्रम सामने आया, वह किसी स्पष्ट सैन्य विजय का परिणाम नहीं, बल्कि राजनीतिक दबावों, रणनीतिक भूलों और बदलते वैश्विक समीकरणों का मिश्रण है। हालांकि युद्धविराम से ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ तात्कालिक राहत मिली हो, किंतु इसके गहरे निहितार्थ एक ऐसी स्थिति का संकेत करते हैं जहां भारी सैन्य दबाव के बावजूद ईरान अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में उभरता दिखा। इस संघर्ष की जड़ें ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर लंबे समय से चली आ रही चिंताओं में निहित हैं। इजरायल इसे अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता रहा और उसने उसकी परमाणु क्षमता को कमजोर करने के उद्देश्य से सैन्य कार्रवाई को उचित ठहराया। अमेरिका इस रणनीति के साथ हमेशा खड़ा दिखाई दिया, खासतौर से ट्रंप के दौर में और मजबूती से। इसके पीछे एक व्यापक लक्ष्य ईरान की इस्लामिक व्यवस्था को कमजोर करना या उसे बदलना भी था।

यह मान लिया गया था कि बाहरी सैन्य दबाव ईरान के भीतर असंतोष भड़का देगा और जनता सरकार के खिलाफ उठ खड़ी होगी। इस धारणा के उलट हमलों ने ईरानी समाज में एक तरह की एकजुटता पैदा कर दी और लोग सरकार के पीछे लामबंद हो गए। युद्ध में अपेक्षाओं की पूर्ति न होने के कारण अमेरिका को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार के लिए विवश होना पड़ा। ईरान की परमाणु क्षमता नष्ट नहीं हुई। उसकी राजनीतिक व्यवस्था बरकरार रही और उसकी सैन्य शक्ति को निर्णायक रूप से कमजोर नहीं किया जा सका। जैसे–जैसे संघर्ष लंबा खिंचता गया, वैसे–वैसे अमेरिका के लिए उसकी लागत बढ़ती गई, वह भी सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक भी। अमेरिका में होने वाले मध्यावधि चुनावों ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया। ट्रंप प्रशासन के लिए यह जरूरी हो गया था कि वह एक ऐसे युद्ध से बाहर निकले जो घरेलू स्तर पर लोकप्रिय नहीं था। ट्रंप के समर्थक वर्ग में भी इस युद्ध को लेकर असहजता दिखाई देने लगी थी। इसके अलावा, ईरान के नागरिक ढांचे पर हमले की धमकियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध अपराधों को लेकर बहस को जन्म दिया, जिससे अमेरिका की नैतिक स्थिति भी कमजोर हुई। मौजूदा माहौल में युद्धविराम किसी कूटनीतिक सफलता से ज्यादा एक रणनीतिक मजबूरी जैसा प्रतीत होता है। इस प्रक्रिया में पाकिस्तान और चीन की भूमिका का सामने आना भी वैश्विक राजनीति के शक्ति संतुलन में बदलाव को दर्शाता है। पाकिस्तान का मध्यस्थ के रूप में उभरना ध्यान देने योग्य है। वहीं, चीन की भूमिका यह दिखाती है कि वह अब सिर्फ आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि कूटनीतिक रूप से भी प्रभावशाली है।

होर्मुज जलमार्ग इस घटनाक्रम का एक अहम पहलू बनकर उभरा। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत ऊर्जा संसाधनों की ढुलाई इसी मार्ग के जरिये होती है। युद्धविराम के बाद भी यदि ईरान इस मार्ग पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखता है, तो यह वैश्विक शक्ति संतुलन में एक बड़ा बदलाव होगा। भले ही यह नियंत्रण औपचारिक रूप से घोषित न हो, पर यदि जहाजों की आवाजाही ईरान की निगरानी या शर्तों के तहत होती है, तो इससे उसकी रणनीतिक स्थिति मजबूत होगी। संभव है ईरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाए। इसका सीधा असर वैश्विक तेल बाजार पर पड़ेगा। तेल की कीमतों में वृद्धि, परिवहन लागत में इजाफा और बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी हो सकती हैं, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगी।भारत जैसे देश के लिए इसके गहरे निहितार्थ होंगे, जो अपनी आवश्यकता का अधिकांश तेल एवं गैस आयात करता है। भारत को अपनी कूटनीतिक रणनीति बेहद संतुलित रखनी होगी, क्योंकि उसके संबंध ईरान, इजरायल और अमेरिका, तीनों के साथ महत्वपूर्ण हैं। इस संघर्ष विराम के साथ ही भारत में इसे लेकर राजनीतिक बहस भी तेज हो गई है। कुछ विपक्षी नेताओं का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान ने कूटनीतिक बढ़त हासिल कर ली। हालांकि यह तर्क आंशिक रूप से राजनीतिक है, पर आज के दौर में, जहां मध्यम शक्तियां भी क्षेत्रीय राजनीति को प्रभावित कर रही हैं, वहां भारत के लिए यह जरूरी हो जाता है कि वह अपनी कूटनीतिक उपस्थिति को और मजबूत करे। यह युद्धविराम हमें यह सिखाता है कि केवल सैन्य शक्ति के बल पर जटिल भू–राजनीतिक समस्याओं का समाधान संभव नहीं है।

शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी चिंताजनक

केंकशैक्षणिक संस्थानों की संख्या में वृद्धि के कारण गुणात्मक शिक्षा और प्रशिक्षण में गिरावट आई है, क्योंकि कई संस्थानों में उचित मान्यता और संकाय की कमी है। उदाहरण के लिए कई कॉलेज घटिया शिक्षा प्रदान करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्नातक बेरोजगार हो जाते हैं। शिक्षित युवाओं में उच्च बेरोजगारी दर की समस्या का समाधान करने के लिए, भारत को कौशल विकास को बढ़ावा देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना होगा, श्रम–प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा देना होगा, उद्यमशीलता का समर्थन करना होगा। हाल ही में आई एक उच्च शिक्षा की रिपोर्ट के अनुसार देश में युवा स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर 40 फीसदी तक पहुंच गई है। रिपोर्ट बताती है कि 20 से 29 आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और केवल 7 फीसदी को ही स्नातक होने के एक साल के भीतर स्थायी नौकरी मिल पाती है। देश में 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर बहुत कम लोगों को ही निश्चित वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट के अनुसार 'भारत में कामकाज की स्थिति–2026' में पाया गया कि बेरोजगार के रूप में पंजीकरण कराने के एक वर्ष के भीतर केवल करीब सात प्रतिशत स्नातकों को स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया कि स्नातक बेरोजगारी दर उच्च बनी हुई है। 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर करीब 40 प्रतिशत और 25 से 29 वर्ष आयु वर्ग में 20 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल एक छोटा हिस्सा ही स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाता है। हाल के वर्षों में स्नातकों की बढ़ती संख्या के कारण यह समस्या और बढ़ गई है। पिछले कुछ दशकों में युवा आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर भी बढ़ी है जिससे युवा स्नातकों की कुल संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति से उच्च बेरोजगारी दर के साथ बेरोजगार स्नातकों की संख्या भी बढ़ गई है। 2023 तक 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार थे। लेकिन स्वतंत्रता के बाद भारत ने शिक्षा से जुड़े कई अंतर को पाटने में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात भारत के विकास स्तर के अनुरूप है। शिक्षा तक पहुंच में लडक़ा–लडक़ी और जाति आधारित सामाजिक–आर्थिक बाधाएं कम हुई हैं, हालांकि इसके साथ रोजगार में प्रभावी बदलाव नहीं हुआ है। पिछले चार दशक में युवाओं की शिक्षा के स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर 28 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी खास तौर पर बढ़ी है। हालांकि पुरुषों के नामांकन में गिरावट दर्ज की गई है। यह 2017 के 38 प्रतिशत से घटकर 2024 के अंत तक 34 प्रतिशत रह गई है। इसके पीछे मुख्य वजह यह है कि पुरुष अपने परिवार की जरूरत को पूरा करने के लिए कमाने के अवसर तलाशने लगते हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों का दायरा भी बढ़ा है। प्रति लाख युवाओं पर कॉलेज की संख्या 2010 के 29 से बढक़र 2021 में 45 हो गई, जिसमें निजी संस्थानों की बड़ी भूमिका रही है। इसके बावजूद क्षेत्रीय असमानताएं बनी हुई हैं और शिक्षकों की कमी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई है। निर्धारित मानकों के मुकाबले निजी और सरकारी कॉलेजों में शिक्षक–छात्र अनुपात काफी अधिक है। यह भी कहा गया है कि 2010 के बाद औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की संख्या में करीब 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन इसके साथ खासकर निजी संस्थानों में गुणवत्ता को लेकर चिंताएं भी सामने आई हैं। उच्च शिक्षा में गरीब परिवारों की भागीदारी बढ़ी है, जो 2007 के आठ प्रतिशत से बढक़र 2017 में 15 प्रतिशत हो गई है, लेकिन आर्थिक बाधाएं अब भी बनी हुई हैं। महंगे पेशेवर पाठ्यक्रमों, मसलन इंजीनियरिंग व मेडिकल में अपेक्षाकृत संपन्न वर्ग के छात्र–छात्राओं की भागीदारी अधिक रहती है। आज पहले से अधिक युवा शिक्षित और जागरूक हैं और वे कुछ करने के इच्छुक हैं, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। देश में युवाओं (15–29 वर्ष) की उच्च शिक्षा तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि, रोजगार से जुड़ी चुनौतियां अब भी बरकरार हैं। स्नातक युवाओं को आय के मामले में लाभ मिलता है और उनकी शुरुआती कमाई गैर–स्नातकों के मुकाबले लगभग दोगुनी होती है। इसके बावजूद 2011 के बाद युवा पुरुष स्नातकों के वेतन में वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ी है। इसमें सामने आया कि युवा तेजी से कृषि क्षेत्र से हटकर विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों की ओर बढ़ रहे हैं। आज शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी एक गंभीर और महत्वपूर्ण विषय है। आज का युवा, जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी बेरोजगारी के संकट का सामना कर रहा है, यह समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए एक चुनौती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बार शिक्षा प्रणाली ऐसे कौशल नहीं सिखाती जो नौकरी के बाजार की मांग के अनुसार हों। सैद्धांतिक ज्ञान अधिक होता है, जबकि व्यावहारिक अनुभव की कमी होती है। आर्थिक विकास की गति धीमी होने के कारण कंपनियां नई भर्ती कम कर देती हैं। वैश्विक आर्थिक संकट भी इस पर असर डालता है। ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग के कारण कुछ क्षेत्रों में नौकरियां कम हो रही हैं, जबकि नए तकनीकी क्षेत्रों में कौशल की आवश्यकता है। कुछ युवा उच्च वेतन वाली नौकरियों की उम्मीद में होते हैं और छोटे पैमाने की नौकरियों को स्वीकार नहीं करना चाहते, जिससे बेरोजगारी की स्थिति बनती है। सरकारी नीतियां और समर्थन रू कभी–कभी सरकार की नीतियां रोजगार सृजन में प्रभावी नहीं होतीं या उनका क्रियान्वयन कमजोर होता है। सुझाव है कि शिक्षा प्रणाली में बदलाव कर व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा को शामिल करना चाहिए, उद्यमिता को बढ़ावा देना और स्टार्टअप्स के लिए समर्थन देना आवश्यक है।

रिपोर्ट बताती है कि 20 से 29 आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और केवल 7 फीसदी को ही स्नातक होने के एक साल के भीतर स्थायी नौकरी मिल पाती है। देश में 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर बहुत कम लोगों को ही निश्चित वेतन वाली नौकरी मिल पाती है।

स्पा सेंटरों में जिस्मफरोशी

19 युवक और युवतियां हिरासत में, आपत्तिजनक सामग्री भी हुई बरामद, कुछ जोड़े पकड़े

गोरखपुर,संवाददाता। पुलिस ने दो स्पा सेंटरों पर छापा मारा। रुद्रपुर मोड़ से आठ युवतियां, छह युवक पकड़े गए। रामपुर मोड़ से तीन युवतियां, दो युवक हिरासत में लिए गए। अनैतिक गतिविधियों की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई। देवरिया सदर कोतवाली क्षेत्र के रुद्रपुर मोड़ स्थित एक स्पा सेंटर पर गुरुवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापा मारा। क्षेत्राधिकारी संजय रेड्डी और कोतवाल राकेश कुमार राय के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने मौके से आठ युवतियों और छह युवकों को संदिग्ध परिस्थितियों में हिरासत में लिया। सभी को पूछताछ के लिए कोतवाली लाया गया है। वहीं सलेमपुर सीओ मनोज कुमार ने नायब तहसीलदार गोपालजी के साथ रामपुर मोड़ स्थित स्पा सेंटर पर छापेमारी की। यहां तीन युवतियां और दो युवक मिले। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीओ मकान मालिक और स्पा सेंटर संचालक पर कार्रवाई में जुट गए हैं। साथ पकड़ी गई युवतियों को चेतावनी देते हुए उनके परिजन को बुलाकर सुपुर्द कर दिया। जिले की पुलिस को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि स्पा सेंटर की आड़ में अनैतिक गतिविधियां संचालित

की जा रही हैं। इसी सूचना के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से बृहस्पतिवार को पुलिस ने एक साथ विभिन्न जगहों पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान मौके से आपत्तिजनक सामग्री बरामद होने की भी बात सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है।

सदर कोतवाली पुलिस ने सीओ संजय रेड्डी की मौजूदगी में रुद्रपुर मोड़ स्थित एक स्पा सेंटर से कई युवक–युवतियों को संदिग्ध परिस्थितियों में हिरासत में लिया। सभी को पूछताछ के लिए कोतवाली लाया गया है।

इसी क्रम में सलेमपुर क्षेत्र में भी सीओ मनोज कुमार ने नायब तहसीलदार गोपालजी के साथ रामपुर मोड़ स्थित स्पा सेंटर पर छापा मारा, जहां से तीन युवतियों और दो युवकों को हिरासत में लिया गया। पकड़ी गई युवतियों को चेतावनी देकर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया, जबकि संचालक और मकान मालिक के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके बाद पुलिस टीम ने पास के एक अन्य स्पा सेंटर और स्टेशन के सामने स्थित एक मकान पर भी छापेमारी की, लेकिन दोनों स्थानों पर पहले से ताला बंद मिला और संचालक फरार पाए गए।

सीओ ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और इसमें संलिप्त सभी लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों के अनुसार, संबंधित स्पा सेंटर को लेकर पहले भी कई बार शिकायतें की गई थीं, लेकिन इस बार हुई कार्रवाई से क्षेत्र में खलबली मच गई है। इससे पूर्व भी कोतवाली पुलिस बैतालपुर चौकी क्षेत्र के एक होटल में छापेमारी कर कुछ जोड़ों को पकड़ा था। शहर के एक अन्य स्पा सेंटर को भी हाल ही में बंद कराया गया था। पुलिस पूरे मामले की तहकीकात में जुटी हुई है।

हाईफाई जिंदगी की चाह ने कर दिया बरबाद, दरिंदों के जाल में फंस गई छात्रा– दंपत्ति संग 10 आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर,संवाददाता। छात्रा की मां मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं। पिता बाहर काम करते हैं। आर्थिक तंगी के कारण अपनी मौसी के घर रहने लगी। वहीं चौरीचौरा के एक इंटर कॉलेज में उसका दाखिला कराया गया। इसी दौरान उसे रील बनाने और हाईफाई जिंदगी जीने का शौक लग गया। वह जल्द अमीर बनने के सपने देखने लगी। चौरीचौरा क्षेत्र में 14 वर्षीय कक्षा नौवीं की छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में पुलिस जांच के दौरान बेहद चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। हाईफाई जिंदगी जीने की चाह में घर से निकली छात्रा दरिंदों के जाल में ऐसे फंसी कि एक के बाद एक कई लोगों ने झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस अब तक मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच अभी जारी है।

पीड़िता के बयान के अनुसार, उसे अलग–अलग लोगों ने शादी, नौकरी और बेहतर जिंदगी का सपना दिखाकर अपने जाल में फंसाया। एक आरोपी ने तो उसकी मांग में सिंदूर भरकर उसे अपनी पत्नी बताकर विभिन्न होटलों में ले जाकर दुष्कर्म किया। वहीं, एक

अन्य युवक, जो एमबीए का छात्र है, उसने उसे एक महीने तक अपने किराए के कमरे में रखा और मकान मालिक से उसे अपनी छोटी बहन बताया। छात्रा ने बताया कि हर जगह उसे भरोसे में लेकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। जहां भी गई, वहां उसके साथ गलत ही हुआ। सभी ने झूठ बोलकर इस्तेमाल किया। पुलिस को यह बताते हुए वह रो पड़ी।

स्कूल आते–जाते हुई थी ऑटो चालक से मुलाकात

छात्रा की मां मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं। पिता बाहर काम करते हैं। आर्थिक तंगी के कारण अपनी मौसी के घर रहने लगी। वहीं चौरीचौरा के एक इंटर कॉलेज में उसका दाखिला कराया गया। इसी दौरान उसे रील बनाने और हाईफाई जिंदगी जीने का शौक लग गया। वह जल्द अमीर बनने के सपने देखने लगी।

हादसे में गई जान

ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से फेरी व्यवसायी की मौत बाइक में पीछे से लगी टक्कर

गोरखपुर,संवाददाता। प्रत्यक्षदर्शियो ने बताया कि मोहन वर्मा जैसे ही सबया रेलवे क्रॉसिंग से निकले तभी सिसवा की ओर से आ रही एक अनियंत्रित ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उनके बाइक को टक्कर मार दी, जिसके बाद वह नीचे गिर गए उसके बाद ट्रैक्टर उनके ऊपर पलट गया। सिसवा–निचलौल मुख्य मार्ग पर सबया रेलवे क्रासिंग के समीप अनियंत्रित ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आने से बृहस्पतिवार की रात एक 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। इस हादसे के बाद मौके से ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। बृहस्पतिवार को सिसवा कस्बे के गोपाल नगर निवासी मोहन वर्मा (45) बहुआर बाजार से अगरबत्ती बेच कर लौट रहे थे। जैसे ही वह सबया क्रासिंग पर पहुंचे तभी सड़क हादसा हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियो ने बताया कि मोहन वर्मा जैसे ही सबया रेलवे क्रॉसिंग से निकले तभी सिसवा की ओर से आ रही एक अनियंत्रित ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उनके बाइक को टक्कर मार दी, जिसके बाद वह नीचे गिर गए उसके बाद ट्रैक्टर उनके ऊपर पलट गया। नीचे दबे मोहन को स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला गया और घायल की गंभीर अवस्था को देखते हुए एंबुलेंस से तत्काल सिसवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत मोहन को मृत घोषित कर दिया। इस दौरान ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

सूचना पर पहुंची कोठीभार पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। इस संदर्भ में प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

दीपक गुप्ता हत्याकांड–पशु तस्करी का एक और आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर,संवाददाता। एसटीएफ की जांच में यह भी पता चला कि इस पूरे नेटवर्क में 20 से 25 लोगों की संलिप्तता है। अब तक दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में मारे जा चुके है, जबकि छह अभी भागे हुए हैं। एसटीएफ उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपी शिवम तिवारी की भूमिका घटना के बाद भी सामने आई। पुलिस के मुताबिक, मामला शांत पड़ने के बाद वह वारदात में इस्तेमाल की गई पिकअप गाड़ी को पहचान छिपाने के उद्देश्य से धनहा में ही डेंटिंग–पेंटिंग कराने के लिए मिस्त्री के पास ले गया था। पिपराइच थाना क्षेत्र के महुआचाफी गांव में पशु तस्करी का विरोध करने पर छात्र दीपक गुप्ता की अपहरण के बाद हत्या के मामले में एसटीएफ ने एक और आरोपी को बिहार के धनहा से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवम तिवारी (23) के रूप में हुई है, जो गिरोह का सक्रिय गुर्गा है। पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। अब उसे रिमांड पर लेने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

पुलिस के अनुसार, शिवम तिवारी पश्चिम चंपारण (बिहार) जिले के धनहा थाना क्षेत्र के ग्राम तुनियहवां का निवासी है। वह कुख्यात जवाहिर और राजीव गिरोह से जुड़ा है।

वह लंबे समय से वांछित था। गोरखपुर एसटीएफ प्रभारी सत्यप्रकाश सिंह के नेतृत्व में टीम ने सर्विलांस की मदद से उसे धनहा से गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि शिवम पहले एक जनरल स्टोर की दुकान चलाता था। जल्द रुपये कमाने की चाहत में वह अपराध की दुनिया में उतर गया। इसी दौरान वह जवाहिर और राजीव के संपर्क में आया और पशु तस्करी की धंधेबाजी से जुड़ गया।

एसटीएफ की जांच में यह भी पता चला कि इस पूरे नेटवर्क में 20 से 25 लोगों की संलिप्तता है। अब तक दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में मारे जा चुके है, जबकि छह अभी भागे हुए हैं। एसटीएफ उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

गिरफ्तार आरोपी शिवम तिवारी की भूमिका घटना के बाद भी सामने आई। पुलिस के मुताबिक, मामला शांत पड़ने के बाद वह वारदात में इस्तेमाल की गई पिकअप गाड़ी को पहचान छिपाने के उद्देश्य से धनहा में ही डेंटिंग–पेंटिंग कराने के लिए मिस्त्री के पास ले गया था। इसी दौरान एसटीएफ ने उसकी लोकेशन ट्रैक कर उसे दबोच लिया और पिकअप वाहन भी बरामद कर लिया। इसके बाद आरोपी को पिपराइच पुलिस के हवाले कर दिया।

वारदात के वक्त पिकअप में मौजूद था शिवम

पुलिस के मुताबिक, 15 सितंबर 2025 को हुई वारदात के दिन शिवम तिवारी, जवाहिर और अन्य साथियों के साथ महुआचाफी इलाके में पशु तस्करी के इरादे से पहुंचा था। इसी दौरान दीपक गुप्ता ने उनका विरोध किया, जिस पर आरोपियों ने उसे जबरन पिकअप वाहन में अगवा कर उसकी हत्या कर दी थी। घटना सामने आते ही पूरे गांव में आक्रोश फैल गया था। आक्रोशित ग्रामीणों ने पशु तस्करों की घेराबंदी की थी, जिसमें एक पकड़ लिया गया था। हालांकि बाद में उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इस घटना ने न सिर्फ गोरखपुर बल्कि आसपास के जिलों में भी कानून–व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। डीजीपी के निर्देश पर इसकी विवेचना एसटीएफ को सौंपी गई थी।

बिहार के सीमावर्ती जिलों में भी एसटीएफ ने दी दबिश

एसटीएफ ने जांच संभालते ही तेजी से कार्रवाई शुरू की। घटनास्थल की बारीकी से जांच, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, वाहनों की आवाजाही, पुराने आपराधिक मुकदमों और स्थानीय संपर्कों की गहन पड़ताल की गई। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि दीपक की हत्या कोई आकस्मिक घटना नहीं थी, बल्कि पशु तस्करी से जुड़े एक संगठित गिरोह की सोची–समझी साजिश का हिस्सा थी। एसटीएफ की टीम ने गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, संतकबीरनगर समेत कई जिलों में लगातार दबिश दी। साथ ही बिहार के सीमावर्ती जिलों में भी दबिश देकर नेटवर्क से जुड़े लोगों से पूछताछ की गई।

चार आरोपियों के खिलाफ दाखिल हो चुकी है चार्जशीट

एसटीएफ मामले में अब तक चार आरोपियों छोटू, रामलाल, राजू और रहीम के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। इन चारों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भिजवाया जा चुका है। शेष 13 आरोपियों की भूमिका को लेकर विवेचक साक्ष्य एकत्र करने में जुटे हुए हैं। जांच के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार तक फैले संगठित पशु तस्करी नेटवर्क की कई परतें खुलकर सामने आई हैं।

भारत का भविष्य युवाओं के विचार, संस्कार और कर्म पर निर्भर

गोरखपुर,संवाददाता। युवा केवल अपने व्यक्तिगत विकास तक सीमित न रहें बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आगे आएं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में चरित्र निर्माण, संगठन शक्ति और सामाजिक समरसता के महत्व पर विशेष बल दिया। इसके पहले कार्यक्रम का शुभारंभ सह सरकार्यवाह अतुल लिमये, गोरक्ष प्रांत संघचालक डॉ. महेंद्र अग्रवाल एवं दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने भारत माता के चित्र पर दीप जलाकर और पुष्पांजलि करके किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह सरकार्यवाह अतुल लिमये ने कहा कि भारत का भविष्य युवाओं के विचार, संस्कार और कर्म पर निर्भर करता है। युवा शक्ति ही राष्ट्र की असली पूंजी है। जिस देश का युवा जागरूक, संस्कारित और संगठित होता है, वह स्वतः ही विकास और वैभव के शिखर पर पहुंचता है।

संघ के सह सरकार्यवाह बृहस्पतिवार को गोरखपुर क्लब में आरएसएस के महानगर दक्षिण भाग की ओर से श्श्राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिकाश विषय पर आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वह गोरखपुर–बस्ती मंडल में चार दिनों के प्रवास पर आए हुए हैं। अतुल लिमये ने युवाओं को आत्मनिर्भर, अनुशासित और राष्ट्र के प्रति समर्पित बनने का संदेश देते हुए कहा कि केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान को भी जीवन का ध्येय बनाना चाहिए।

यदि युवा अपने जीवन में अनुशासन, सेवा और समर्पण के मूल्यों को अपनाएं, तो देश को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है, जो न केवल अपने कॅरिअर में आगे बढ़ें बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाएं।

वर्तमान समय केवल अवसरों का नहीं बल्कि जिम्मेदारियों का भी है। युवा केवल अपने व्यक्तिगत विकास तक सीमित न रहें बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आगे आएं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में चरित्र निर्माण, संगठन शक्ति और सामाजिक समरसता के महत्व पर विशेष बल दिया। इसके पहले कार्यक्रम का शुभारंभ सह सरकार्यवाह अतुल लिमये, गोरक्ष प्रांत संघचालक डॉ. महेंद्र अग्रवाल एवं दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने भारत माता के चित्र पर दीप जलाकर और पुष्पांजलि करके किया। कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, मदन मोहन मालवीय प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों से युवाओं, विद्यार्थियों, समाजसेवियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने सहभागिता की। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक रमेश, प्रांत प्रचारक प्रमुख डॉ अवधेश, विभाग प्रचारक अजय नारायण, प्रांत सह व्यवस्था प्रमुख हरे कृष्ण, बौद्धिक प्रमुख संकर्षण त्रिपाठी, प्रो. बीके पाण्डेय, प्रो. शरद मिश्र, प्रो. हरीश चंद्र, डॉ. मनोज, जिला प्रचारक मनीष, रोहित, अभिषेक, पद्माकर आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका निर्णायक

सह सरकार्यवाह ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका निर्णायक है। युवा अपने जीवन में अनुशासन, संस्कार और सेवा की भावना को अपनाकर समाज एवं देश के विकास में सक्रिय योगदान दें। आज का समय चुनौतियों के साथ–साथ अपार संभावनाओं का भी है। ऐसे में युवाओं की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

उन्होंने चरित्र निर्माण, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण एवं राष्ट्रहित में सक्रिय भागीदारी को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया। संगठित और संस्कारित युवा शक्ति ही एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकती है।

अलग रहने के विवाद में बेटे ने पिता को मारी राड

कानपुर। जगतपुरा गांव में अलग रहने के विवाद में बेटे सौरभ ने पिता संदीप कुमार की हत्या कर दी। आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र में एक पारिवारिक विवाद ने दुखद मोड़ ले लिया, जहां अलग रहने को लेकर हुए झगड़े में बेटे के हमले में पिता की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मां ने आरोपी को मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया है। उसका दो साल से इलाज चल रहा था।

कोतवाली क्षेत्र के जगतपुरा गांव निवासी संदीप कुमार (45) अपने तीन बेटों सौरभ (21), कल्लू (16) और शिवम (12) तथा पत्नी अमरवती के साथ रहते थे। सात अप्रैल को सुबह करीब 11 बजे घर में संदीप और सौरभ ही मौजूद थे, जबकि अमरवती बाहर गई थीं। इसी दौरान अलग रहने और अलग खाना बनाने की बात को लेकर पिता–पुत्र के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच हाथापाई होने लगी। इसी बीच सौरभ ने गुस्से में आकर लोहे की रॉड से पिता के सिर पर वार कर दिया। इससे वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े।

घटना के बाद सौरभ घर से निकल गया। कुछ देर बाद जब अमरवती घर लौटीं तो पति को अचेत अवस्था में पड़ा देख शोर मचाया। परिजनों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल उरई पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें झांसी रेफर कर दिया गया। वहां बुधवार रात संदीप कुमार ने दम तोड़ दिया। बृहस्पतिवार सुबह शव गांव पहुंचने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मां अमरवती की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी बेटे सौरभ के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है।

आनंद मठ देखकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले– मन कर रहा था कि मंच पर जाकर अंग्रेज दरोगा को थप्पड़ मार दूं

लखनऊ,संवाददाता। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भारतेंदु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह में पहुंचे और नाटक आनंदमठ का मंचन देखा। कार्यक्रम में राज्यपाल ने 20 कलाकारों को भी सम्मानित किया। भारतेंदु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह के छठे दिन कार्यक्रम में पहुंचे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने नाटक आनंद मठ का मंचन देखा और अपने संबोधन में कहा कि भारत बड़ी सांस्कृतिक विरासत वाला देश है। समाज की विकृतियों को जब कलाकार मंच पर उतारते हैं तो समाज को नई दिशा मिलती है।

उन्होंने कहा कि मैं थोड़ी देर पहले जब आनंद मठ नाटक का मंचन देख रहा था तो हिंदुस्तानियों पर उसके जुल्म देखकर मन कर रहा था कि मंच पर पहुंच कर उस अंग्रेज दरोगा को थप्पड़ मार दूं। यह सुनकर पूरा हाल तालियों और हंसी से गूंज गया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल ने हमारे देश को रवींद्र नाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद और सुभाष चंद्र बोस जैसे महापुरुष दिए हैं लेकिन अब अगर बंगाल की हालत देखिए तो दुख होता है। देश की सबसे बड़ी सांस्कृतिक विरासत का राज्य आज बदहाली का शिकार हो गया है।

राप्तीनगर डिपो में खड़ी हैं सभी इलेक्ट्रिक बसें, चल रही उद्घाटन की तैयारी

गोरखपुर से अयोध्या, वाराणसी, बलिया रूट पर इलेक्ट्रिक बसें
राप्तीनगर में 45 बस चालकों का प्रशिक्षण शुरू हुआ
20 नई इलेक्ट्रिक बसें, 225 किमी रेंज प्रति चार्ज

संवाददाता, गोरखपुर। अयोध्या, बलिया, बनारस व सोनौली आदि रूटों पर सुविधा संपन्न इलेक्ट्रिक बसों का संचालन जल्द शुरू हो जाएगा। राप्तीनगर स्थित सेवा प्रबंधक कार्यालय में बस चालकों का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। पुणे के विशेषज्ञ, चालकों को बस संचालन की बारीकियां समझा रहे हैं।

कुल 45 चालकों का प्रशिक्षण 22 अप्रैल तक चलेगा। बसों के कागजात भी तैयार कर लिए गए हैं। चार्जिंग प्वाइंट भी लग गए हैं। परिवहन निगम ने उद्घाघन की योजना भी बनानी शुरू कर दी है। सभी इलेक्ट्रिक बसें राप्तीनगर डिपो में खड़ी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर गोरखपुर परिक्षेत्र को प्रथम चरण में 20 नई

इलेक्ट्रिक बसें मिली हैं।

इनमें से छह बसें गोरखपुर से वाराणसी के बीच चलेंगी। इनमें तीन बसें गाजीपुर मार्ग से और तीन बसें आजमगढ़ मार्ग से संचालित की जाएंगी।

तीन बसें अयोध्या, तीन बसें बलिया तक, तीन बसें सोनौली तथा तीन बसें तमकुहीराज और दो बसें लार रोड तक चलाई जाएंगी। इलेक्ट्रिक बसों का रूट चार्ट इस प्रकार तैयार किया गया है कि पूर्वांचल के सभी महत्वपूर्ण शहरों तथा पर्यटन स्थलों को और मजबूत कनेक्टिविटी मिल सके।

शुरुआती चरण में 20 बसों में से नौ बसें कचहरी बस स्टेशन से चलाई जाएंगी, जबकि 11 बसों का संचलन गोरखपुर रेलवे बस स्टेशन से किया जाएगा। बसों को चार्ज करने के लिए गोरखपुर डिपो के अलावा अन्य प्रमुख स्टेशनों पर भी चार्जिंग प्वाइंट बनाए जाएंगे। बसें आधे से एक घंटे में फुल चार्ज होती हैं। इलेक्ट्रिक बस एक बार चार्ज होने के बाद लगभग 225 किमी चलेंगी।

इलेक्ट्रिक बसों का संचालन जल्द आरंभ होगा। चालकों का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से लोगों की यात्रा सुगम होगी। ईंधन के साथ परिवहन निगम के राजस्व की भी बचत होगी। पर्यावरण भी प्रदूषणमुक्त होगा।

– लव कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक–परिवहन निगम

कैंटर के नीचे दबे युवक बचाओ–बचाओ चिल्लाते रहे

लोग वीडियो बनाते रहे, बागपत हादसे की दर्दनाक दास्तां घायल युवक मदद के लिए चिल्लाते रहे, राहगीर वीडियो बनाते रहे। पुलिस और एंबुलेंस की प्रतिक्रिया में देरी से दो की मौत। परिजनों ने समय पर सहायता न मिलने पर गंभीर आरोप लगाए।

संवाददाता, बागपत। कैंटर के नीचे दबे घायल युवक बचाओ–बचाओ चिल्लाते रहे, लेकिन इक्का–दुक्का को छोड़ कोई आगे नहीं आया। कल्लू जैक घुमाता रहा और राहगीरों को आवाज लगाता रहा, लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजा। पुलिस व एंबुलेंस और राहगीरों की समय पर मदद मिल जाती तो अवश्य ही उसके भाई और साथी की जान बच जाती। कल्लू का कहना है कि वह और उसका भाई आरिफ गुरुग्राम से कैंटर लेकर एक साथ चले थे। उनका कैंटर जाम में फंस गया था और आरिफ अपना कैंटर लेकर आगे आ गए थे। डूंडाहेड़ा के पास पहुंचा तो कैंटर में सवार छोटा भाई आसिफ सड़क पर पड़ा दिखाई दिया। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर जैक की मदद से कैंटर के नीचे से अन्य घायलों को निकाला। राहगीरों को मदद के लिए आवाज लगाई, लेकिन लोग मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। कई राहगीरों ने तो यहां तक कहा कि ड्यूटी पर जाना है, खून में गाड़ी और कपड़े खराब हो जाएंगे। गांव का ही वकील बोला कि सवा पांच बजे हादसे की जानकारी मिली थी, तब सरूरपुर कलां के निकट ईंट भट्ठे पर काम कर रहा था। वह करीब सवा छह बजे कार से मौके पर पहुंचा, तब उसे हादसा स्थल पर जाती हुई पुलिस दिखाई दी। इससे पहले पुलिस व एंबुलेंस को कई बार मोबाइल से काल की गई।

अल्लाह ने बचाई जान, मौत को करीब से देखा

गांव के अय्यूब ट्रक में शमशाद, आरिफ और आसिफ को हादसा स्थल से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। इनमें से आसिफ की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने हायर सेंटर के लिए रेफर किया, जिन्हें पहले बड़ौत, फिर मेरठ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उनके पैर में फ्रैक्चर हुआ है।

दिल्ली–देहरादून हाईवे से उद्यमियों को मिलेगा लाभ

समय और ईंधन की बचत से उत्पादन लागत घटेगी। बेहतर कनेक्टिविटी से बागपत का औद्योगिक विकास होगा। कृषि आधारित उद्योगों को बड़े बाजार तक पहुंच मिलेगी।

संवाददाता, बागपत। दिल्ली–देहरादून ग्रीनफील्ड हाईवे बागपत के उद्यमियों के लिए गेम–चेंजर साबित होगा। बागपत से सहारनपुर तक सफर में दो घंटे, हरिद्वार तक ढाई से तीन घंटे तथा देहरादून तक सफर में चार–साढ़े चार घंटे का समय बचेगा।

न केवल समय बचेगा बल्कि पेट्रोल–डीजल की बचत से उद्यमियों की उत्पादन लागत घटेगी तथा कनेक्टिविटी शानदार होने से बागपत औद्योगिक विकास में फर्राटा भरेगा। छोटे उद्यमियों खासकर कृषि आधारित उद्योगों के उत्पादन की पहुंच बड़े बाजार तक होगी।

अब दिल्ली–देहरादून ग्रीनफील्ड हाईवे लोकार्पण के लिए तैयार हो गया है। मवीकलां से अक्षरधाम दिल्ली तक एलिवेटेड रोड भी ग्रीनफील्ड हाईवे का हिस्सा है जो चालू है। इससे लोगों का दिल्ली तक सफर में औसतन एक घंटे का समय बचने लगा।

अब 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकार्पण करने से ग्रीनफील्ड हाईवे बागपत के लिए देहरादून तक खुलेगा। बागपत में ग्रीनफील्ड हाईवे पर प्रवेश और निकास के लिए मवीकलां, अग्रवाल मंडी टटीरी तथा बिजरौल में इंटरचेज हैं।

उद्यमियों का मानना है कि इसके चालू होने पर यात्रा का समय कम होगा। ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिलेगा। लाजिस्टिक्स, रियल एस्टेट, पर्यटन, कृषि–आधारित उद्योगों को गति मिलने से नई फैक्ट्रियां लगेंगी और उत्पादन एवं व्यापार की लागत में कमी आएगी।

बनेगा औद्योगिक गलियारा

यूपीसीडा ने भागोट तथा फुलेरा समेत 12 गांवों में दो हजार हेक्टेयर जमीन चिन्हित कर औद्योगिक गलियारा विकसित कराने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। इन गांवों की ग्रीनफील्ड हाईवे से कनेक्टिविटी है।

गोरखपुर में मुद्रा योजना, 8 लाख से अधिक युवाओं को मिला रोजगार और आत्मनिर्भरता का सहारा

गोरखपुर में 8.48 लाख से अधिक युवाओं को मिला लाभ। तीन वर्षों में 5,565 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरित। योजना से छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली।

संवाददाता, गोरखपुर। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना गोरखपुर के छोटे उद्यमियों और अपना व्यवसाय शुरू करने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक वरदान साबित हो रही है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि योजना ने न केवल लाखों लोगों को आर्थिक मदद दी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान किया है। खास बात यह है कि जहां पहले संख्या अधिक थी, वहीं अब गुणवत्ता और लक्ष्य आधारित वितरण पर जोर दिया जा रहा है। सरकार की ओर से बिना ब्याज पांच लाख रुपये ऋण संबंधी योजना के बावजूद अब भी युवा यह ऋण ले रहे हैं।

बुधवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कहा था कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 11वीं वर्षगांठ पर कहा कि सरकार इस योजना के माध्यम से उद्यमियों को सशक्त बनाने का क्रम जारी रखेगी। 2047 तक विकसित भारत की यात्रा में इस योजना की सक्रिय भागीदारी रहेगी। गोरक्षनगरी में भी इस योजना ने कई युवाओं को रोजगार का सहारा दिया है।

पिछले तीन वर्षों (2023, 2024 और 2025) के आंकड़ों पर नजर डालें तो कुल 8,48,425 से अधिक लाभार्थियों को लगभग 5,56,505 लाख (5565.05 करोड़) रुपये का ऋण वितरित किया गया। 31 मार्च 2023 तक सबसे अधिक 4,23,659 लोगों को 2,38,851 लाख रुपये का ऋण मिला।

इसके बाद 2024 में 2,64,646 लाभार्थियों को 1,80,946 लाख रुपये और 2025 में 1,60,120 लोगों को 1,36,708 लाख रुपये का ऋण दिया गया। सरकार के द्वारा बिना ब्याज के पांच लाख तक ऋण संबंधी योजना के बावजूद यह ऋण लेने वालों की संख्या अच्छी–खासी है।

यदि पिछले वर्ष (2024–25) की तुलना करें तो लाभार्थियों की संख्या में कुछ कमी जरूर आई है, लेकिन प्रति लाभार्थी ऋण राशि में वृद्धि देखी गई है। अब छोटे–छोटे ऋण के बजाय व्यवसाय को मजबूत करने के लिए अपेक्षाकृत बड़े ऋण दिए जा रहे हैं। इससे उद्यमियों को अपने कारोबार को स्थायी रूप से खड़ा करने में मदद मिल रही है।

वित्तीय वर्ष 2025–26 में भी योजना की रफ्तार बनी हुई है। 31 दिसंबर 2025 तक 1,24,342 लोगों को 1,34,968 लाख रुपये का ऋण दिया जा चुका है। अनुमान है कि वित्त वर्ष के अंत तक करीब 41,500 नए आवेदन और आएंगे, जिससे कुल वितरण में और बढ़ोतरी होगी।

मुद्रा योजना का उद्देश्य सिर्फ ऋण देना नहीं बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है। बैंकों को पारदर्शिता और तेजी के साथ ऋण वितरण के निर्देश दिए गए हैं, ताकि हर पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके। मुद्रा योजना के तहत 'शिशु', 'किशोर' और 'तरुण' श्रेणियों में दिए जा रहे ऋण ने शहर के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी नई ऊर्जा भरी है। किराना, सिलाई, डेयरी और छोटे उद्योगों के माध्यम से हजारों परिवारों की आय बढ़ी है।

–मनोज श्रीवास्तव, लीड बैंक मैनेजर

मेरठ सेंट्रल मार्केट विवाद

मेरठ,संवाददाता। सेंट्रल मार्केट प्रकरण को लेकर सेक्टर–2 में लोगों ने पलायन के पोस्टर लगा दिए हैं। निवासियों का कहना है कि छोटे घरों में सेटबैक प्रक्रिया लागू होने से उनका बाथरूम या ड्राइंग रूम खत्म हो सकता है, जिससे रहने का संकट खड़ा हो जाएगा।मेरठ सेंट्रल मार्केट प्रकरण को लेकर अब सेक्टर–2 में रहने वाले लोगों का दर्द खुलकर सामने आने लगा है। क्षेत्र के कई स्थानों पर स्थानीय निवासियों ने अपने घरों और दीवारों पर पलायन के पोस्टर लगा दिए हैं, जिससे इलाके में हलचल मच गई है।

निवासियों का कहना है कि प्रशासन द्वारा प्रस्तावित सेटबैक प्रक्रिया उनके लिए बड़ी समस्या बन सकती है। उनका कहना है कि सेक्टर–2 में अधिकांश मकान छोटे–छोटे हैं और ऐसे में सेटबैक नियम लागू करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

स्थानीय लोगों के अनुसार यदि सेटबैक लागू किया गया तो किसी का बाथरूम तो किसी का ड्राइंग रूम खत्म हो जाएगा। इससे घर रहने लायक नहीं रहेंगे और लोगों को मजबूरन अपने घर छोड़ने पड़ सकते हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि अगर मकानों का हिस्सा टूटेगा तो वे आखिर रहेंगे कहां। उनका कहना है कि उन्होंने वर्षों की मेहनत से अपने छोटे–छोटे घर बनाए हैं और अब उन पर संकट खड़ा हो गया है।

निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समाधान निकाला जाए, ताकि आम लोगों को अपने ही घरों से बेघर होने की नौबत न आए।

यूपी में अंतिम मतदाता सूची जारी

SIR के बाद 2 करोड़ मतदाताओं के नाम कटे, कुल वोटर 13.39 करोड़

यूपी में गहन पुनरीक्षण अभियान मतलब एसआईआर की लंबी प्रक्रिया के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में 166 दिन तक चली विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद (एसआईआर) प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। इस सूची के अनुसार प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। प्रदेश के कुल मतदाताओं में 54.54 प्रतिशत पुरुष, जबकि 45.46 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। इसके पहले, प्रदेश में 27 अक्तूबर 2025 को फ्रीज मतदाता सूची में 15.44 करोड़ मतदाता थे। एसआईआर के बाद प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख मतदाता रह गए हैं। एसआईआर की प्रक्रिया में प्रदेश में दो करोड़ (2.05) करोड़ मतदाता घट गए हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में अंतिम मतदाता सूची की जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार 6 जनवरी को जारी की गई मसौदा मतदाता सूची के सापेक्ष अंतिम मतदाता सूची में कुल 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम छूट गए हैं वो मतदाता फॉर्म 6 भरकर सूची में शामिल हो सकते हैं।

जारी की गई अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, प्रदेश में पुरुष मतदाताओं की संख्या 7 करोड़, 30 लाख, 71 हजार 61 है। जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 6 करोड़, नौ लाख, नौ हजार 525 है। वहीं, तृतीय लिंग के मतदाताओं की संख्या 4 हजार 206 है। प्रदेश में 18 से 19 आयुवर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या 17 लाख, 63 हजार 360 है।

इन पांच जिलों में मतदाताओं की सर्वाधिक वृद्धि हुई

अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, प्रयागराज में मतदाताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि हुई है। यहां पर 3 लाख 29 हजार 421 मतदाता बढ़े। वहीं, लखनऊ में 2 लाख, 85 हजार 961 मतदाता, बरेली में 2 लाख 57 हजार 920 मतदाता, गाजियाबाद में 2 लाख 43 हजार 666 मतदाता और जौनपुर में 2 लाख 37 हजार 590 मतदाताओं की वृद्धि हुई है।

6 जनवरी को जारी की गई थी मतदाताओं की मसौदा सूची

इसके पहले, 6 जनवरी को 12.55 करोड़ मतदाताओं की मसौदा सूची जारी की गई थी। उसके बाद 6 मार्च तक लोगों से इस ड्राफ्ट मतदाता सूची पर दावे व आपत्तियां ली गईं। कुल 86.69 लाख लोगों ने मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने के लिए फॉर्म–6 भरा। वहीं 3.18 लाख लोगों ने नाम कटवाने के लिए फॉर्म–7 भरा है। मतदाता सूची में 1.04 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनके नाम का मिलान माता–पिता, बाबा–दादी व नाना–नानी से न होने के कारण इन्हें नोटिस दिया गया था।

बांके बिहारी के भक्त ध्यान दें

फूल बंगला सजाने के लिए नया रेट हुआ तय, सुरक्षा पर सख्ती

मथुरा,संवाददाता। बांकेबिहारी मंदिर की बैठक में फूल बंगला शुल्क घटाने समेत कई अहम फैसले लिए गए। मंदिर की सुरक्षा, अतिक्रमण हटाने और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर की हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी की बैठक लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन में आयोजित की गई। इसमें कई महत्वपूर्ण फैसले सर्वसम्मति से लिए गए। ठाकुरजी के फूल बंगलों में आ रही रुकावट पर कमेटी ने नरम रुख दिखाया और उसका शुल्क 1,51000 रुपये से घटाकर 101000 रुपये कर दिया गया। साथ ही मंदिर खुलने से एक घंटे पहले फूल बंगला सजाने वाले के यजमान और उसके परिजन को सिंहासन पूजा की भी अनुमति दी गई। इसके अलावा मंदिर की व्यवस्था, सुरक्षा और अतिक्रमण हटाने पर मंथन किया गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 25 बिंदुओं के एजेंडा पर विस्तार से चर्चा की गई।

फूल बंगले के अलावा मंदिरों के आसपास बिक रहे मिलावटी पेड़े को लेकर अध्यक्ष ने एफएसडीए के अफसरों को निर्देश दिए कि मिलावटी पेड़े बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्थान बॉर्डर से लाकर सस्ता खोया यहां खपाया जा रहा है, लेकिन ऐसे लोगों पर अब कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा वृंदावन में ई–रिक्शों से आ रही परेशानी को दूर करने के लिए निर्देश दिए।

एक वैन में ठूंस रहे 16 स्कूली बच्चे

खिड़की से ग्रिल गायब, बच्चों की सुरक्षा से लगातार हो रहा समझौता

लखनऊ,संवाददाता। एक वैन में आठ बच्चों के बैठने की क्षमता है, लेकिन इनमें 16 बच्चों को ठूंस–ठूंसकर बैठाया जा रहा है। कई वैनों में तो ड्राइवर की बगल वाली सीट पर तीन–तीन बच्चे बैठे नजर आए। अमर उजाला की पड़ताल में शहर की कई स्कूली वैनों में ऐसी खामियां नजर आईं।

बच्चों को स्कूल लाने व घर छोड़ने वाली गाड़ियां बच्चों की सुरक्षा से समझौता करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। किसी वैन की खिड़की से ग्रिल ही गायब है तो किसी का शीशा पूरी तरह से टूटा हुआ है। अमर उजाला की पड़ताल में शहर की कई स्कूली वैनों में ऐसी खामियां नजर आईं। एक वैन में आठ बच्चों के बैठने की क्षमता है, लेकिन इनमें 16 बच्चों को ठूंस–ठूंसकर बैठाया जा रहा है। कई वैनों में तो ड्राइवर की बगल वाली सीट पर तीन–तीन बच्चे बैठे नजर आए। अधिक कमाई के लिए चालक यह लापवाही बरत रहे हैं। नियमों की ऐसी अनदेखी से कभी भी हादसा होने की संभावना भी बनी रहती है।

सीट को रस्सी से बांधकर चला रहे काम

हजरतगंज स्थित एक स्कूल के बाहर बृहस्पतिवार को एक दर्जन से अधिक स्कूली वैन लाइन से लगी हुई थीं। वैनों की स्थिति खराब थी। कुछ वैनों की सीटें तक टूटी हुई थीं जिन्हें रस्सी से बांधकर काम चलाया जा रहा था।

स्कूल वैन का शीशा भी खराब

नेशनल पीजी कॉलेज के पास स्थित एक स्कूल के बच्चों को लेने पहुंची वैन की स्थिति खराब मिली। वैन की खिड़की पर ग्रिल नहीं थी और शीशा भी खराब था। इससे दुर्घटना होने की भी आशंका नजर आ रही थी।

अगली सीट पर तीन–तीन बच्चों की सवारी

सहारा मॉल रोड स्थित एक निजी स्कूल की छुट्टी के दौरान वैन में कई तरह की खामियां नजर आईं। स्कूली वैन की क्षमता आठ से नौ सवारी की थी लेकिन उसमें 13 से 16 बच्चे बैठे थे। ड्राइवर की बगल वाली सीट पर ही तीन बच्चे बैठे थे।

स्कूली वैनों की स्थिति सही करने के निर्देश

आरटीओ प्रवर्तन लखनऊ प्रभात पांडेय का कहना है कि सभी विद्यालयों के प्रबंधकों व प्रधानाचार्यों को स्कूली वैन और बसों की स्थिति सही कराने के निर्देश दिए गए हैं। वाहन के रख–रखाव के साथ नियमों का पालन करना सभी के लिए जरूरी है। ऐसा न करने पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

जज यशवंत वर्मा का इस्तीफा

जले हुए नोटों के विवाद से चर्चा में आए थे

जस्टिस यशवंत वर्मा ने इलाहाबाद हाई कोर्ट से इस्तीफा दिया। नकदी मिलने के विवादों के कारण जांच का सामना कर रहे थे। राष्ट्रपति को भेजा अपना त्यागपत्र, विवादों से घिरा कार्यकाल।

प्रयागराज,संवाददाता। इलाहाबाद हाई कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को भेज दिया है। जस्टिस वर्मा मार्च 2025 में अपने आवास पर कथित रूप से भारी मात्रा में नकदी पाए जाने के बाद से ही विवादों के घेरे में थे। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, जस्टिस यशवंत वर्मा को हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय से वापस उनके मूल कैडर इलाहाबाद हाई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया था। यह तबादला उनके आवास पर मिली संदिग्ध नकदी से जुड़े विवादों और शिकायतों के बाद किया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल, 2025 को इलाहाबाद हाई कोर्ट में न्यायाधीश के रूप में दोबारा शपथ ली थी, लेकिन उनके खिलाफ चल रही जांच ने उनका पीछा नहीं छोड़ा।

आवास से मिली थीं नोटों की गड्डियां

जस्टिस वर्मा जब दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश थे, तब 14 मार्च 2025 को देर शाम उनके दिल्ली के सरकारी आवास में आग लग गई थी और आग बुझाने पहुंचे अग्निशमन दस्ते को उनके घर के स्टोर रूम में भारी मात्रा में जले हुए नोटों की गड्डियां मिली थीं। घटना के वक्त जस्टिस वर्मा घर पर मौजूद नहीं थे, वे मध्य प्रदेश में थे। मामला सामने आने पर सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा के घर नगदी मिलने की मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय आंतरिक जांच कमेटी गठित की थी और कमेटी ने रिपोर्ट में पहली निगाह में आरोपों में दम पाया था।

स्कूल वैन में लगी भीषण आग, पांच बच्चे और चालक झुलसे

मुजफ्फरनगर,संवाददाता। पुरकाजी क्षेत्र के समसो गांव में बच्चों को स्कूल ले जा रही वैन में अचानक आग लग गई। हादसे में पांच बच्चे और चालक झुलस गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। मुजफ्फरनगर जिले के पुरकाजी क्षेत्र के गांव समसो में शुक्रवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई जब बच्चों को स्कूल लेकर जा रही एक वैन में अचानक आग लग गई। इस हादसे में वैन में सवार पांच बच्चे और चालक झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार, गांव समसो से बच्चों को लेकर आशीष इंग्लिश एकेडमी जा रही स्कूल वैन में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद वैन में सवार बच्चों में चीख–पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए।

आतंकी कनेक्शन–दुबई में बैठे आकिब को भारत लाने की कवायद

मेरठ,संवाददाता। मवाना निवासी आकिब खान के आतंकी कनेक्शन की जांच तेज हो गई है। दुबई में बैठे आकिब का पासपोर्ट निरस्त कराने और उसे भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जबकि वेस्ट यूपी के कई युवक जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। मेरठ के मवाना क्षेत्र के सठला गांव निवासी संदिग्ध आतंकी आकिब खान के खिलाफ जांच एजेंसियों ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। दुबई में बैठे आकिब को भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उसके खिलाफ पहले ही लुकआउट सर्कुलर जारी किया जा चुका है और अब उसका

पासपोर्ट निरस्त कराने की कार्रवाई भी की जा रही है। एटीएस जल्द ही पासपोर्ट कार्यालय को पत्र भेजकर आकिब का पासपोर्ट निरस्त कराने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी करेगी। जांच एजेंसियों का मानना है कि आकिब के तार पाकिस्तान के हैंडलर्स से जुड़े हुए हैं और वह भारत में आतंकी साजिशों को अंजाम देने की योजना में शामिल था।

इंस्टाग्राम पर फिर दी धमकी

जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बीच आकिब ने एक बार फिर इंस्टाग्राम पर आकर धमकी भरे संदेश दिए हैं। उसके कुछ साथियों ने भी सोशल मीडिया पर भड़काऊ बयान दिए हैं, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां और सतर्क हो गई हैं।

चार संदिग्ध पहले ही गिरफ्तार

एटीएस ने दो अप्रैल को रेलवे स्टेशन के पास से मेरठ निवासी साकिब और अरबाब के साथ गौतमबुद्धनगर के लोकेश और विकास को गिरफ्तार किया था। जांच में खुलासा हुआ कि ये आरोपी पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे और उनके निर्देश पर देश में धमाकों की साजिश रच रहे थे। एटीएस के अनुसार, साकिब को दुबई में बैठे आकिब खान ने ही पाकिस्तानी हैंडलर्स से संपर्क कराया था। आरोपियों के मोबाइल फोन से भी देश विरोधी गतिविधियों से जुड़े कई अहम सबूत मिले हैं।

वेस्ट यूपी के कई युवक रडार पर

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कई अहम जानकारी दी है। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियों को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के करीब एक दर्जन युवकों के बारे में इनपुट मिले हैं, जो इस नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। इन युवकों की गतिविधियों और संपर्कों की जांच की जा रही है और जल्द ही कार्रवाई की संभावना है।

रिमांड में उगले कई राज

गिरफ्तार आरोपियों की पांच दिन की कस्टडी रिमांड मंजूर हुई थी। इस दौरान एटीएस ने उनसे लंबी पूछताछ की और मोबाइल में मिले संदिग्ध नंबरों की जांच की। पूछताछ में आरोपियों ने साजिश से जुड़े कई अहम राज उगले हैं, जिनके आधार पर आगे की जांच जारी है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत को मिली चार अहम जिम्मेदारिया

भारत ने संयुक्त राष्ट्र के म्बैव्ब से जुड़े चारों निकायों के चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की है। साथ ही, वरिष्ठ राजनयिक प्रीति सरन को सीईएससीआर में दोबारा चुना गया है। यह सभी चुनाव सर्वसम्मति से हुए, जो वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

दिल्ली,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। भारत ने आर्थिक और सामाजिक परिषद से जुड़े चार अहम निकायों के चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की है। इन सभी चुनावों में भारत का चयन सर्वसम्मति से हुआ, जो वैश्विक मंच पर उसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इन चुनावों में भारत को विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग ,
गैर–सरकारी संगठनों की समिति और कार्यक्रम एवं समन्वय समिति में चुना गया है।
इसके साथ ही, भारत की वरिष्ठ राजनयिक रहीं प्रीति सरन को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की समिति में फिर से चुना गया है। वह इससे पहले इस

संयुक्त राष्ट्र में भारत को बड़ी जिम्मेदारी

- चार अहम समितियों में निर्विरोध चयन
- सभी देशों ने भारत का समर्थन किया
- प्रीति सरन फिर बनीं सीईएससीआर की सदस्य
- सतत विकास के अहम मंच पर देश की मजबूत मौजूदगी

समिति के सत्र की अध्यक्षता भी कर चुकी हैं। प्रीति सरन का 36 वर्षों का लंबा कूटनीतिक अनुभव रहा है, जिसमें उन्होंने वियतनाम में भारत की राजदूत के रूप में सेवा दी, साथ ही टोरंटो, जेनेवा, ढाका, काहिरा और मॉस्को जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर भी तैनाती संभाली।

सीईएससीआर क्या है?

सीईएससीआर में 18 स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते के पालन की निगरानी करते हैं। यह समिति भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, पानी और स्वच्छता जैसे बुनियादी अधिकारों से जुड़े मामलों पर नजर रखती है।
वहीं, एनजीओ समिति संयुक्त राष्ट्र में सिविल सोसाइटी संगठनों की भागीदारी तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग विकास और सतत भविष्य से जुड़े मुद्दों पर दिशा तय करता है, जबकि कार्यक्रम एवं समन्वय समिति संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कामकाज में तालमेल सुनिश्चित करती है।

बिहार में सीएम को लेकर सस्पेंस जारी

पटना,एजेंसी। बिहार में नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? इस सवाल को लेकर सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे और नई सरकार के गठन को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। इस बीच नितिन नवीन ने बड़ा बयान देकर स्थिति को स्पष्ट करने की कोशिश की है। एएनआई से बातचीत में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर किसी भी तरह का मतभेद नहीं है और सभी फैसले तय कार्यक्रम के अनुसार ही लिए जा रहे हैं। नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य की शपथ ले रहे हैं उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने हमेशा श्गठबंधन धर्मश का पालन किया है, जिसके चलते सहयोगी दलों का भरोसा आज भी कायम है। नितिन नवीन के अनुसार, सभी अहम फैसले अभी भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लिए जा रहे हैं। नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे, जिसके लिए वे 9 अप्रैल को दिल्ली रवाना होंगे। शपथ ग्रहण के बाद अगले ही दिन पटना लौट आएंगे।

रोते–गिड़गिड़ाते रह गए व्यापारी...

अरमानों पर लगी सील, 40,000 लोगों की रोजी–रोटी नौ घंटे में छिन गई

मेरठ,संवाददाता। सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख के बाद आवास एवं विकास परिषद ने मेरठ के शास्त्रीनगर के सेंट्रल मार्केट के 44 व्यावसायिक भवनों को सील कर दिया। दावा किया जाता है कि इस बाजार से प्रतिमाह 20 करोड़ रुपये का कारोबार होता था। भारी पुलिस बल और सात अलग–अलग टीमों के साथ चले अभियान के दौरान क्षेत्र में तनाव और आक्रोश देखा गया। मेरठ के शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट के इतिहास में बुधवार का दिन एक काले अध्याय के रूप में दर्ज हो गया। महज 9 घंटे के भीतर प्रशासन ने 40 साल से बसे सपनों और लगभग 40 हजार लोगों की आजीविका पर सरकारी सील लगा दी। इस दौरान दुकानदार, स्कूल व अस्पताल संचालक अधिकारियों से गुहार लगाते रहे। रोते गिड़गिड़ाते रहे लेकिन अधिकारियों ने किसी की नहीं सुनी। सुबह 9 बजे से शुरू हुआ सीलिंग का अभियान शाम 6 बजे तक चला।
आवास विकास के अधिकारियों के दौरे के बाद 9 बजे एमपीजीएस गर्ल्स कॉलेज पर पहली सील लगाकर अभियान शुरू हुआ। सात टीमों ने एक साथ कार्रवाई शुरू की। रंगोली मंडप और सुधा हॉस्पिटल पर सील लगते ही व्यापारियों में हड़कंप मच गया। गुरुद्वारा रोड पर सेंडफॉर्ड अस्पताल,

अमेरिकन किड्स स्कूल को सील कर दिया गया। टीम जब डॉ. अशोक गर्ग के क्लीनिक पर पहुंची तो उन्होंने उपकरण निकालने के लिए समय मांगा। इधर दूसरी टीम ने 694/2 वर्धमान अस्पताल, 251/1 बॉक्सी पार्क रेस्टोरेंट और 686/2 स्थित वेयरहाउस पर सीलिंग की कार्रवाई की। सुमित नर्सिंग होम के सामने स्थित 7/2 कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स (30+ दुकानें) को सील होते देख लोग बिलख उठे। वहीं सतेश ढाका का कॉम्पलेक्स भी सील किया गया इसमें नशा मुक्ति केंद्र और दर्जनभर दुकानें थीं।

दुहाई देते रहे व्यापारी, किया खूब तर्क–वितर्क

तमाम दुकानदार जिन्होंने दुकानें पीछे कर शटर भी लगा लिए थे उन्होंने भी खूब तर्क–वितर्क किए। व्यापारियों के परिवार की कई महिलाओं के आंसू तो थम नहीं रहे थे। कई छोटे दुकानदार हाथ जोड़े परिवार की रोजी–रोटी की दुहाई देते रहे लेकिन टीम ने एक नहीं सुनी। इससे पहले छंगा हलवाई वाली गली, श्रीबालाजी स्टोर्स वाला मार्ग और भीतरी गलियों में 144 दुकानें बंद हो चुकी हैं। वहीं, बुधवार को सीलिंग में करीब 350 दुकानें बंद हुई। इनके अलावा स्कूल, अस्पताल और बैंक्वेट हॉल पर भी सील लगी। यहां का स्टाफ फफक–फफक कर रो पड़ा। इससे करीब 40 हजार लोगों की रोजी–रोटी प्रभावित हो रही है। वहीं अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई की जा रही है।

47,79,000 कैश, मर्सिडीज और 85 मोबाइल समेत भारी मात्रा में माल जब्त, दिल्ली में 113 साइबर ठग गिरफ्तार

113 आरोपी गिरफ्तार, 57 साइबर धोखाधड़ी मामले सुलझे 22 करोड़ से अधिक की साइबर ठगी का पर्दाफाश

संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी पश्चिम जिले के साइबर थाने की टीम ने ऑपरेशन साइबर हॉक–04 के तहत कई अंतर–राज्यीय साइबर और वित्तीय धोखाधड़ी गिरोहों का पर्दाफाश करते हुए कुल 57 मामलों में 113 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, कुल 303 एनसीआरपी शिकायतें आरोपियों से मिले श्म्यूल खातोंश (बिचौलिया खातों) और मोबाइल नेटवर्क से जुड़े मिले, जो लगभग 22 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर ठगी से संबंधित हैं।

मर्सिडीज भी बरामद

वहीं, टीम ने पीड़ितों के खातों से 17 लाख की रकम को लियन (लेन–देन पर रोक) के तहत सुरक्षित किया। आरोपितों के पास से 47,79000 नकद, एक मर्सिडीज एस क्लास कार, छह लैपटॉप, 85 मोबाइल फोन, 11 पासबुक, 42 डेबिट कार्ड, 135 म्यूल सिम कार्ड, एक वाई–फाई राउटर और एक पैन कार्ड बरामद किया गया। वहीं पूछताछ और सत्यापन के लिए 488 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है।
टीम के मुताबिक, सात अप्रैल को तजिंदर सिंह की शिकायत पर साइबर थाने में बीएनएस की धारा 318(4)/319/340/61(2) के तहत एक मामला दर्ज किया गया। अपनी शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भाई कनाडा में रहते हैं और अपने परिवार के साथ भारत आने की योजना बना रहे थे।

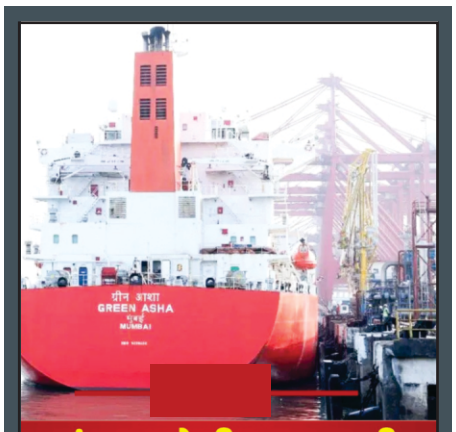

जंग रुकते ही खुशखबरी 15,400 टन LPG लेकर जहाज मुंबई पहुंचा

'अतीक जैसा हाल करेंगे', शंकराचार्य को जान से मारने की धमकी

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी मिली है. अविमुक्तेश्वरानंद के अधिकृत मोबाइल नंबर पर जान से मारने की धमकी दी गई है. धमकी देने वाले ने फोन पर धमकी के साथ–साथ गालियां भी दीं. आरोपित ने फोन पर कहा कि उससे कहो कि जैसे अतीक मारा गया, वैसे ही वो मारा जाएगा और फिर खेल खत्म।

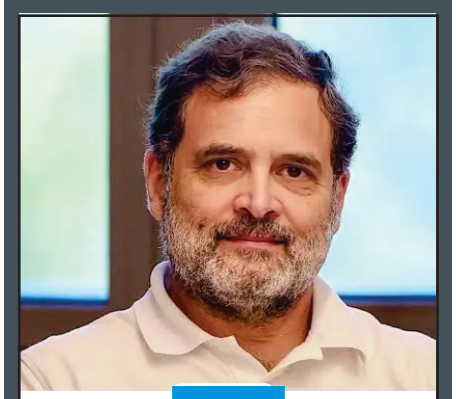

असम के सीएम हिंदुस्तान के सबसे करप्ट सीएम हैं : राहुल गांधी

असम सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्रियों में शामिल हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार की सभी सीमाएं पार कर दी हैं और यह बात पूरे राज्य की जनता अच्छी तरह जानती है.

25 शब्द भी टाइप नहीं कर पाए बाबू, DM ने डिमोशन कर बनाया चपरासी

उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले से प्रशासनिक सख्ती का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सरकारी कार्यप्रणाली को लेकर नई बहस छेड़ दी है. यहां जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यकुशलता को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए कलेक्ट्रेट में तैनात तीन बाबुओं को उनकी खराब टाइपिंग स्पीड के चलते पद से हटाकर चपरासी बना दिया।

ओटीटी पर कब और कहां आएगी 'तू या मैं'?

आदर्श–शनाया की तू या मैं की ओटीटी रिलीज डेट हुई कंफर्म

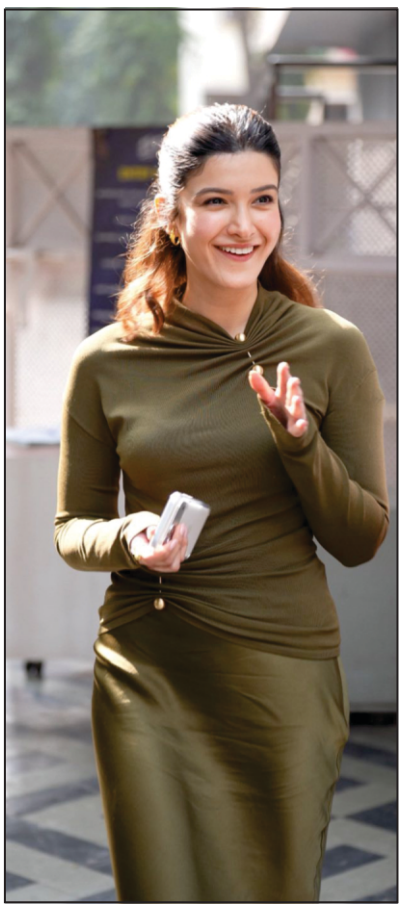

एंटरटेनमेंट डेस्क। शनाया कपूर और आदर्श गौरव की सरवाइवल थ्रिलर मूवी तू या मैं 13 फरवरी, 2026 को थिएटर में रिलीज़ हुई थी. इसका शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की ओश्रोमियो से क्लैश हुआ था. हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर पराई. बिजॉय नांबियार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में पारुल गुलाटी और मोना सिंह भी अहम रोल में हैं, अब ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज़ होने के लिए तैयार है. जानते हैं इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कब और कहां देख सकेंगे?

तू या मैं ओटीटी पर कब और कहां देखें?

बता दें कि शनाया और आदर्श गौरव की तू या मैं ओटीटी के दिग्गज प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आएगी. कुछ समय पहले, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स इंडिया ने इंस्टाग्राम पर शनाया कपूर और आदर्श गौरव स्टारर फिल्म की रिलीज़ डेट अनाउंस की थी. उन्होंने एक दिलचस्प वीडियो शेयर किया और लिखा, "प्यार आंखें खोल सकता है, तू या मैं देखो, 10 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर आ रही है." अनाउंसमेंट शेयर करने के तुरंत बाद, फैंस पोस्ट पर रिएक्ट करते दिखे. एक फैन ने लिखा, "इसे दोबारा देखने के लिए सुपर एक्साइटेड हूं." एक और फैन ने कमेंट किया, "मैं किसी तरह थिएटर में इसे मिस कर गया लेकिन थैंक्स नेटफ्लिक्स."

क्या है फिल्म की कहानी?

आनंद एल राय की प्रोड्यूस की हुई तू या मैं, एक सर्वाइवल थ्रिलर है जो दो इन्फ्लुएंसर के इर्द–गिर्द घूमती है, जिनकी एडवेंचरस ट्रिप नेचर और एक खतरनाक शिकारी के खिलाफ जानलेवा लड़ाई में बदल जाती है. इस साल की शुरुआत में थिएटर में रिलीज होने के बाद, फिल्म अपने यूनिक बेस के लिए चर्चा का विषय बन गई, जो रोमांस और क्रीचर थ्रिलर का एक जॉनर–बेंडिंग मिक्स है जो एक आदमी, एक औरत और एक जानवर को एक–दूसरे के खिलाफ खड़ा करती है.

तू या मैं बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

श्तू या मैंश के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करे तो सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने भारत में 7.31 करोड़ की नेट कमाई की थी और इसका ग्रॉस कलेक्शन 8.47 करोड़ रुपये था. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म को 20 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था।

3 बार फेल हुए अक्षय कुमार

अक्षय कुमार रियलिटी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून होस्ट कर रहे हैं. इस शो में अक्षय अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में भी बातचीत करते रहते हैं.

एंटरटेनमेंट डेस्क। अक्षय कुमार इन दिनों फिल्मों के साथ–साथ टीवी शो भी कर रहे हैं. वो शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून होस्ट कर रहे हैं. अक्षय का ये शो चर्चा में बना है. कंटेस्टेंट्स और ऑडियंस शो को एंजॉय कर रही है. हाल ही में शो में अक्षय के स्कूल के दोस्त आए. इस दौरान अक्षय ने अपनी लाइफ से जुड़े सीक्रट्स बताए.

3 बार हुए हैं अक्षय कुमार

अक्षय ने खुद को बैकबेंचर बुलाया. उन्होंने बताया कि कैसे वो और उनके दोस्त स्कूल में 3 बार फेल हुए. अक्षय ने कहा, हम लोग केजी से साथ में हैं. और केजी से 9जी ग्रेड के बीचमें हम लोग तीन–तीन बार फेल हुए हैं. अक्षय के ये बोलने के बाद वहां बैठी ऑडियंस हंसने लगती है. अक्षय कुमार यहीं नहीं रुके. उन्होंने अपने दोस्त जिनेश की टांग खींची और पूछा कि वो स्कूल में फेल क्यों हुए. तो इस पर जिनेश ने कहा, श्मैं आपके साथ समय बिताता था. उसकी वजह से.

इसके बाद अक्षय ने जिनेश की खिंचाई करते हुए कहा कि इनकी फेवरेट आदत थी कि ये साइकिल चलाते थे और शहर जाते थे ताकि लड़कियों को देख सकें. जिनेश और अक्षय की मस्ती ने ऑडियंस को खूब हंसाया. फिर जिनेश भी अक्षय की टांग खींचते हैं और ऑडियंस से कहते हैं, क्या लगता है मैं देखता या ये.

अक्षय की बात करें तो वो अब फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगे. ये फिल्म पहले 10 अप्रैल को रिलीज होनी थी. लेकिन श्धुरंधर 2श की वजह से फिल्म को पोस्टपोन कर दिया गया. अब फिल्म के 16 अप्रैल से पेड प्रिव्यूज शुरू होंगे. अक्षय कुमार की इस फिल्म को प्रियदर्शन ने बनाया है. इस फिल्म के जरिए अक्षय और प्रियदर्शन की जोड़ी लंबे समय के बाद साथ आ रही है. फिल्म में राजपाल यादव, परेश रावल, वामिका गब्बी, तब्बू जैसे स्टार्स हैं. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ।

एंटरटेनमेंट डेस्क। बिग बॉस सीजन 19 को खत्म हुए कई महीने हो चुके हैं, लेकिन शो के कंटेस्टेंट्स अभी भी सुर्खियों में छाए हुए हैं.कोई नए प्रोजेक्ट में बीजी नजर आ रहा है, तो कोई पार्टी करता दिख जाता है. लेकिन, तान्या मित्तल इन सभी में एकदम अलग हैं.

उन्हें ये अच्छे से पता है कि फैंस को कैसे एंटरटेन किया जाता है.अब हाल ही में तान्या ने भोजपुरी फैंस को तगड़ा सरप्राइज दे दिया है.दरअसल, उन्होंने भोजपुरी के सुपरस्टार कहे जाने वाले दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ के गाने पर जमकर डांस किया है.

फैंस तान्या की कर रहे हैं जमकर तारीफ

तान्या ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो मरून कलर सड़िया पर डांस करती दिखाई दे रही हैं. इतना ही नहीं तान्या ने मरून कलर की साड़ी भी पहन रखी है, जिसमें वो बेहद स्टनिंग लग रही हैं.तान्या के इस वीडियो को देखने के बाद फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं.

यूपी, बिहार के फैंस तो तान्या के एक्सप्रेशंस के कायल हो गए हैं.एक्ट्रेस की तारफी करते हुए एक फैन ने लिखा,श्बिहार से आपको बोरा भरकर प्यार भेज रहे हैंश.दूसरे यूजर ने लिखा,भोजपुरी में कुछ आने वाला है क्या.वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा–तान्या ने तो भोजपुरी में भी धमाल मचाकर रख दिया.

तान्या जब बिग बॉस के घर में थीं, तब वो अपने लग्जरी लाइफस्टाइल को फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई देती थीं. हालांकि, वहां मौजूद कुछ कंटेस्टेंट्स को तान्या की ये बातें हजम नहीं होती थीं. उस दौरान तान्या को लोगों ने नकली तक का टैग दे दिया था।

हालांकि, तान्या ने बाद में सबका दिल जीत दिया और टॉप 4 में अपनी जगह बनाई. बिग बॉस 19 की वो तीसरी रनर–अप बनी थीं.तान्या मित्तल बेशक शो की विनर नहीं बन पाई हों, लेकिन उन्होंने लोगों का दिल जीत लिया.इसी वजह से एकता कपूर ने भी उन्हें अपने सीरियल में रोल ऑफर कर दिया।

अविनाश तिवारी का भी डैशिंग अवतार के गिन्नी वेड्स सनी 2 ट्रेलर लान्च

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की फिल्म श्गिन्नी वेड्स सनी 2 का दमदार ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें दोनों की बेहतरीन केमिस्ट्री देखने को मिल रही है. तस्वीरें सोशल मीडियो पर वायरल हो रही हैं.

एंटरटेनमेंट डेस्क। अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की फिल्म गिन्नी वेड्स सनी 2 का दमदार ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें दोनों की बेहतरीन केमिस्ट्री देखने को मिल रही है. तस्वीरें सोशल मीडियो पर वायरल हो रही हैं.

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की मोस्ट अवेटेड फिल्म श्गिन्नी वेड्स सनी 2श का दर्शक लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. प्रशांत झा इस फिल्म के डायरेक्टर हैं. गिन्नी वेड्स सनी 2 का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं. ट्रेलर लॉन्च इवेंट से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं. गिन्नी वेड्स सनी 2 का ट्रेलर 9 अप्रैल को मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च किया गया, जहां अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की खूबसूरत केमिस्ट्री ने लोगों का दिल जीत लिया।

आयुष शेट्टी ने विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टी को हराया

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के आयुष शेट्टी ने एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। आयुष शेट्टी पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को मात दी है। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को हराया। इस तरह आयुष ने बैडमिंटन एशिया चौंपियनशिप के पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 25वीं रैंकिंग के शेट्टी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में क्रिस्टी को 23–21, 21–17 को हराया। टूर स्तर पर शेट्टी और क्रिस्टी के बीच यह पहला मुकाबला था। क्रिस्टी एशियाई खेलों और एशियन चौंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता हैं। इतना ही वह 2020 में थॉमस कप जीतने वाली इंडोनेशियाई टीम का भी हिस्सा थे। यूएस ओपस सुपर 300 के गत चौंपियन शेट्टी ने इससे पहले गुरुवार को राउड ऑफ 16 में चीनी ताइपे के 20वीं रैंकिंग के ची यू जेन को हराया था।

ब्राजील की एल. कारडोसो क्यों चर्चा में

टी20 अंतरराष्ट्रीय में कौन सा रिकॉर्ड स्थापित किया

स्पोर्ट्स डेस्क। एल. कारडोसो ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जब वह पुरुषों या महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। ब्राजील की तेज गेंदबाज एल. कारडोसो ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जब वह पुरुषों या महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। कारडोसो ने लेसोथो के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार रन देकर नौ विकेट चटकाए जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े है। उन्होंने गैबोरोन में बोत्सवाना क्रिकेट संघ ओवल दो मैदान पर बीसीए कालाहारी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में यह उपलब्धि हासिल की।

सोनम येशे का रिकॉर्ड

पिछला रिकॉर्ड भूटान की सोनम येशे के नाम था जिन्होंने 2025 में पुरुषों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में म्यांमार के खिलाफ सात रन देकर आठ विकेट लिए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय में कारडोसो ने इंडोनेशिया की रोहमालिया के 2024 में मंगोलिया के खिलाफ बिना रन के सात विकेट चटकाने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। गुरुवार को हुए मैच में ब्राजील ने रॉबर्टा एवरी (35 गेंद पर 48 रन) और मोनिके मचाडो (41 गेंद पर नाबाद 69 रन) की शानदार पारियों की मदद से 202 रन का बड़ा स्कोर बनाया।

13 रन पर सिमटी टीम

इसके जवाब में लेसोथो की टीम 6.2 ओवर में सिर्फ 13 रन पर सिमट गई और ब्राजील ने 189 रन की बड़ी जीत दर्ज की। तेज गेंदबाज कारडोसो ने दूसरे ओवर में हैट्रिक के साथ शुरुआत की। उन्होंने चौथे ओवर में चार और विकेट लेकर अपने विकेटों की संख्या सात कर ली। कारडोसो ने छठे ओवर में दो और विकेट के साथ पारी में नौ विकेट चटकाए। आखिरी विकेट मैरिएन आर्टुर ने लिया।

सच का सामना करने से डरे बाबर आजम!

कोहली से तुलना के सवाल पर पत्रकार से ही भिड़े

स्पोर्ट्स डेस्क। पाकिस्तान में बाबर आजम की तुलना अक्सर विराट कोहली के साथ की जाती है। पीएसएल मैच के बाद हालांकि, जब बाबर से कोहली की तुलना को लेकर सवाल किया गया तो वह पत्रकार पर ही बिफर गए। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भारत से स्टार खिलाड़ी विराट कोहली से तुलना करने के सवाल पर पत्रकार से ही भिड़ गए। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में पेशावर जाल्मी की हैदराबाद किंग्समैन के खिलाफ जीत के बाद बाबर प्रेस कॉन्फ्रेंस

करने आए, लेकिन जैसे ही पत्रकार ने कोहली से उनकी तुलना करते हुए सवाल किया तो बाबर बिफर गए। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

क्या था वो सवाल जिस पर बिफरे बाबर

मैच के बाद एक पत्रकार ने बाबर से कोहली की तुलना करते हुए प्रश्न किया। पत्रकार का कहना था कि भारत के पूर्व कप्तान लगातार मैच खत्म करने के लिए जाने जाते हैं।

पत्रकार ने बाबर से कहा कि वह कोहली की तरह मैच फिनिश नहीं कर पाते हैं, इस पर क्या कहेंगे। पत्रकार ने सवाल किया, विराट कोहली के शॉट्स की रेंज आपसे मिलती–जुलती है, लेकिन वो लगातार मैच को फिनिश करते हैं जो कि लोग कहते हैं कि आपमें इसकी कमी है। चूंकि कई लोग आपकी तुलना उनसे करते हैं तो इस तुलना पर आपके क्या विचार हैं?

कोहली के साथ तुलना को खत्म करने कहा

बाबर पत्रकार के इस सवाल से चिढ़ गए और उन्होंने कोहली के साथ तुलना को दृढ़ता से खारिज कर दिया। बाबर ने पत्रकार से ऐसी तुलना बंद करने को कहा और जोर देकर कहा कि यह एक गलत धारणा है कि उन्होंने मैच फिनिश नहीं किए हैं। बाबर ने कहा, चलिए इसे यहीं खत्म करते हैं। ऐसे विचार अपने तक ही रखें। तुलना करना बंद करें और आगे बढ़ें। यह आपकी गलतफहमी है कि मैंने मैच फिनिश नहीं किए हैं।

आंकड़ों में कोहली बाबर से काफी आगे

बाबर की बल्लेबाजी, स्ट्रोकप्ले और पारी को संभालने की क्षमता के कारण वर्षों से उनकी तुलना कोहली से की जाती रही है। 2021 में यह तुलना तब और बढ़ने लगी जब बाबर ने आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 वनडे बल्लेबाज के रूप में कोहली के 1258 दिनों के दबदबे को खत्म किया और 2023 में वे मात्र 97 पारियों में 5000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। हालांकि, आंकड़ों में कोहली बाबर आजम से काफी आगे हैं और दोनों बल्लेबाजों में कोई तुलना ही नहीं है। पाकिस्तान में क्रिकेट प्रशंसक हर बार बाबर की तुलना कोहली से करते हैं, लेकिन वास्तविकता तो कुछ और ही है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

पिता के सपने को पूरा कर खुश हैं मुकुल चौधरी

स्पोर्ट्स डेस्क। लखनऊ सुपर जाएंट्स के बल्लेबाज मुकुल चौधरी ने केकेआर के खिलाफ मैच विजयी पारी खेलकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। मुकुल ने बताया कि उनके पिता का सपना था कि वह क्रिकेटर बनें और उन्हें इस सपने को पूरा कर खुशी हुई है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 27 गेंदों में 54 रन की बेखौफ नाबाद पारी खेलने वाले लखनऊ सुपर जाएंट्स के बल्लेबाज मुकुल चौधरी रातों रात स्टार बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार को खेले गए आईपीएल 2026 के मुकाबले में मैच विजयी पारी खेलकर ना सिर्फ अपनी टीम को अभूतपूर्व जीत दिलाई, बल्कि अपनी पहचान भी बना ली। मुकुल ने कहा कि उन्हें अपने पिता का सपना पूरा करने की खुशी है।

मुकुल की दबाव में खेली गई इस पारी की बदौलत लखनऊ ने रोमांचक मुकाबले में केकेआर को तीन विकेट से हराया।

उन्होंने अपनी पारी में सात छक्के और दो चौके लगाए और आठवें विकेट के लिए आवेश खान के साथ 54 रन की अटूट साझेदारी की, जिसमें आवेश का योगदान सिर्फ एक रन का था। मुकुल ने ऐसे समय यह पारी खेली जब मैच लखनऊ के हाथ से फिसलता नजर आ रहा था।

बेटे को क्रिकेटर बनाना चाहते थे मुकुल के पिता

मुकुल राजस्थान के झुंझुनु के रहने वाले हैं। इस खिलाड़ी ने प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार लेने के बाद कहा, मेरा सफर वास्तव में मेरे जन्म से पहले ही शुरू हो गया था। मेरे पिता का सपना था कि उनका बेटा एक दिन क्रिकेट खेले। उस समय हमारी आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी, इसलिए मैं जल्दी शुरू नहीं कर सका। मैंने लगभग 12–13 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया। उस समय ज्यादा अकादमियां नहीं थीं। मेरे घर के पास नई अकादमी खुली थी और मैंने वहां लगभग पांच–छह साल प्रशिक्षण लिया। उसके बाद मैं जयपुर चला गया, क्योंकि अगर आप उच्च स्तर पर खेलना चाहते हैं तो आगे बढ़ना पड़ता है। पिछले चार साल से मैं जयपुर में प्रैक्टिस कर रहा हूं। मैं उत्तर प्रदेश के खिलाफ अंडर–19 का मैच खेल रहा था और मैंने कम स्कोर वाले मैच में रन बनाए थे। तभी मेरे पिता को लगा कि मैं बड़ा क्रिकेटर बन सकता हूं। वह मेरा केवल दूसरा ही मैच था।

बल्लेबाजी के दौरान दबाव के बारे में पूछे जाने पर मुकुल ने कहा, दबाव हमेशा रहता है। लेकिन मैं सोचता हूं कि भगवान ने मुझे यह अवसर दिया है, इसलिए मैं अपनी क्षमता पर भरोसा करता हूं। यह मौका है जहां आप कुछ बड़ा कर सकते हैं या नाम कमा सकते हैं। इसलिए मैं दबाव के बजाय अवसर पर ध्यान देता हूं। मैं आखिरी गेंद तक खेलना चाहता था। मुझे अपने ऊपर इतना भरोसा है कि अगर मैं अंत तक नाबाद रहूंगा, तो टीम को जीत दिला सकता हूं।

पहले छक्के को बताया खास

अपनी पारी में सात छक्के लगाने वाले चौधरी ने अपने पहले छक्के को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा, मैंने दो मैचों से छक्का नहीं लगाया था, इसलिए इस मैच का जो पहला छक्का लगाया, वह मेरे लिए खास था। हेलीकॉप्टर छक्का भी अच्छा था, लेकिन पहला छक्का सबसे खास रहा। मैंने सोचा था कि भले ही गेंदबाज चार परफेक्ट गेंदें डालें, कम से कम एक ऐसी गेंद होगी जिस पर मैं मैच का छक्का मार सकता हूं।